रजिस्ट्री सं. डीएल(एन)-04/0007/2003--05 REGISTERED No. DL(N)-04/0007/2003—05

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 15—नवम्बर 21, 2008 (कार्तिक 24, 1930)

No. 46] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 15—NOVEMBER 21, 2008 (KARTIKA 24, 1930)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं 1343

भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 1039

भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं 15

भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं ... 187

भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम ..... *

भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ ..... *

भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं) ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं ..... *

भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) ..... *

भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश ..... *

भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 7223

भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस 513

भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं ..... *

भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 9149

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस 483

भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक ..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to New Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 1343

PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 1039

PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence 15

PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence 1871

PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..... *

PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi Languages of Acts, Ordinances and Regulations ..... *

PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..... *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-Laws etc. of general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..... *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..... *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders including Bye-laws of a general character issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) ..... *

PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..... *

PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India 7223

PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs 513

PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..... *

PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies 9149

PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies 483

PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..... *

*Pages not received

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2008

सं. 99-प्रेज/2008--राष्ट्रपति, कैप्टन कुलदीप सिंह (आईसी-63517), सेना मेडल, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल का बार" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं।

बरूण मित्रा
संयुक्त सचिव

सं. 100-प्रेज/2008--राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती है :--

1. आईसी-51853 लेफ्टि. कर्नल कल्लियाड तापत्तुवीट्टिल गोपाला क्रिष्णान, महार रेजिमेंट/30 राष्ट्रीय राइफल
2. आईसी-54442 मेजर ईशान दलाल, ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल
3. आईसी-56327 मेजर संग्राम सिंह राठौड़, सेना सेवा कोर/55 राष्ट्रीय राइफल
4. आईसी-56333 मेजर अजय कुमार, 4 सिख लाइट इन्फैंट्री
5. आईसी-56350 मेजर बल बहादुर पुन, 2/8 गोरखा राइफल
6. आईसी-57611 मेजर अवनीत सिंह कपूर, 6 राजपूत रेजिमेंट
7. आईसी-58923 मेजर विजय सती, कवचित रेजिमेंट/24 असम राइफल
8. आईसी-59138 मेजर अनिमेष जटराना, 4 राजपूताना राइफल्स
9. आईसी-59470 मेजर मनोज अरूपारायिल पोथन, 4 सिख लाइट इन्फैंट्री
10. आईसी-59684 मेजर सुदीप माजी, 14 बिहार रेजिमेंट
11. आईसी-60492 मेजर सुखदेव सिंह नागियाल, सेना वायु रक्षा/34 असम राइफल
12. आईसी-60780 मेजर तरुण शर्मा, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/46 राष्ट्रीय राइफल

13. आईसी-60984 मेजर [illegible] हरनाल, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री/20 राष्ट्रीय राइफल

14. आईसी-61356 मेजर [illegible] सिंह, तोपखाना रेजिमेंट/52 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

15. आईसी-62699 मेजर [illegible] कुमार सिंह, ग्रेनेडियर्स/55 राष्ट्रीय राइफल

16. आईसी-64915 मेजर [illegible] शर्मा, तोपखाना रेजिमेंट/72 फील्ड रेजिमेंट

17. आईसी-65182 मेजर राहुल बडोला, सेना वायु रक्षा/58 राष्ट्रीय राइफल

18. आईसी-65357 मेजर [illegible] चौहान, सेना सेवा कोर/57 राष्ट्रीय राइफल

19. एसएस-40391 मेजर [illegible] राई, 11 गोरखा राइफल/44 असम राइफल

20. आईसी-62161 कैप्टन [illegible] शर्मा, 2 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

21. आईसी-62630 कैप्टन विवेक कुट्टीपरम्बिल गोपालकृष्णन, राजपूताना राइफल/57 राष्ट्रीय राइफल

22. आईसी-63531 कैप्टन चेतन विजय धवड़, इंजीनियर्स कोर/18 असम राइफल

23. आईसी-63547 कैप्टन [illegible] सिंह, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल

24. आईसी-63850 कैप्टन [illegible] सागर, 21 जाट रेजिमेंट

25. आईसी-64123 कैप्टन [illegible] प्रसाद द्विवेदी, तोपखाना रेजिमेंट/172 फील्ड रेजिमेंट

26. आईसी-64610 कैप्टन [illegible] शर्मा, तोपखाना रेजिमेंट/17 पैराशूट फील्ड रेजिमेंट

27. आईसी-64749 कैप्टन [illegible] कादियान, इंजीनियर्स कोर/15 राष्ट्रीय राइफल

28. आईसी-65540 कैप्टन [illegible] जिमकेल्ली, मितेई, महार रेजिमेंट/7 असम राइफल

29. आईसी-66968 कैप्टन [illegible] जीत सिंह, 8 सिख रेजिमेंट

30. आईसी-67869 कैप्टन सपकाल विनायक रामाचन्द्रा, 11 सिख लाइट इन्फैंट्री

31. आईसी-67896 लेफ्टिनेंट परिक्षीत शर्मा, 3/11 गोरखा राइफल

32. आईसी-69356 लेफ्टिनेंट ऋषिकेश संजय पुरानिक, इलेक्ट्रिकल एण्ड मेकेनिकल इंजीनीयरिंग/11 ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स

33. एसएस-41865 लेफ्टिनेंट मनविन्दर बाली, सेना सेवा कोर, 8 सिख रेजिमेंट

34. एसएस-41936 लेफ्टिनेंट विक्रम विजय, 11 ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स

35. एससी-00494 लेफ्टिनेंट राम गोपाल सिंह, सेना सेवा कोर/6 ग्रेनेडियर्स

36. जेसी-539664 सूबेदार मुकेश कुमार, कुमाऊं रेजिमेंट/50 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

37. जेसी-520316 नायब सूबेदार नेत्तर सिंह, 17 डोगरा रेजिमेंट

38. 2681308 हवलदार मेहबूब खान, 14 ग्रेनेडियर्स

39. 2889992 हवलदार ओम सिंह शेखावत, राजपूताना राइफल/57 राष्ट्रीय राइफल

40. 2988583 हवलदार जाहर सिंह, 24 राजपूत रेजिमेंट

41. 2993593 हवलदार श्रीकृष्ण शर्मा, 16 राजपूत रेजिमेंट

42. 3185119 हवलदार नेम सिंह, 6 जाट रेजिमेंट

43. 4069080 हवलदार नरेन्द्र सिंह, 7 गढ़वाल राइफल

44. 4471878 हवलदार स्वर्ण सिंह, 11 सिख लाइट इन्फैंट्री

45. 5753143 हवलदार अनूप गुरुंग, 2/8 गोरखा राइफल

46. 4269956 लांस हवलदार जगदीश कुमार, 14 बिहार रेजिमेंट

47. 2689335 नायक [illegible] सिंह, 14 ग्रेनेडियर्स

48. 2889129 नायक [illegible] कुमार, 9 राजपूताना राइफल्स (मरणोपरांत)

49. 4074539 नायक [illegible] सिंह, 7 गढ़वाल राइफल्स

50. 4274761 नायक [illegible], बिहार रेजिमेंट/24 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

51. 9421022 नायक पदम बहादुर राई, 7/11 गोरखा राइफल्स

52. 13621009 नायक [illegible] सिंह शेखावत, 10 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

53. 13622134 नायक माने संजय आनन्दा, 2 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

54. 13697733 नायक [illegible], ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/61 राष्ट्रीय राइफल्स

55. 13698305 नायक पवन कुमार, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/61 राष्ट्रीय राइफल्स

56. 14806143 नायक [illegible] सिंह, 519 सेना सेवा कोर बटालियन

57. 2690219 लांस नायक [illegible] सिंह, ग्रेनेडियर्स/39 राष्ट्रीय राइफल्स

58. 2690654 लांस नायक [illegible] कुमार, ग्रेनेडियर्स/39 राष्ट्रीय राइफल्स

59. 2999868 लांस नायक [illegible] कुमार, राजपूत रेजिमेंट/44 राष्ट्रीय राइफल्स

60. 3995152 लांस नायक [illegible] सिंह, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल्स

61. 4087082 लांस नायक [illegible], 7 गढ़वाल राइफल्स

62. 4192197 लांस नायक [illegible] सिंह, 19 कुमाऊं रेजिमेंट

63. 9103431 लांस नायक [illegible] अहमद वानी, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/62 राष्ट्रीय राइफल्स

64. 2495191 सिपाही बलजिन्द्र सिंह, पंजाब रेजिमेंट/37 राष्ट्रीय राइफल

65. 2806742 सिपाही कोरे प्रविणकुमार सुदाम, 9 मराठा लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

66. 2998482 सिपाही भुपेन्द्र सिंह, 6 राजपूत रेजिमेंट

67. 3196554 सिपाही शिव पाल सिंह, 16 जाट रेजिमेंट

68. 4274292 सिपाही मनोज कुमार राय, बिहार रेजिमेंट/47 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

69. 4368537 सिपाही बुद्धासेन देब बर्मा, 12 असम रेजिमेंट

70. 12944267 सिपाही नूर हुसैन, 159 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) (एच एंड एच) डोगरा/11 राष्ट्रीय राइफल

71. 12984439 सिपाही मुजफर अहमद भट, सिख लाइट इन्फैंट्री/55 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

72. 9102870 राइफलमैन अब्दुल रज्जाक लोन, 3 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

73. 9106528 राइफलमैन मोहम्मद यासीन मैप्नो, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/44 राष्ट्रीय राइफल

74. 12964240 राइफलमैन सैयद जहूर अहमद, 161 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) (एच एंड एच) जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/30 राष्ट्रीय राइफल

75. 12964608 राइफलमैन मंजूर अहमद मथन्जी, 161 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) (एच एंड एच) जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/30 राष्ट्रीय राइफल

76. 13764823 राइफलमैन रोशन लाल, 9 जम्मू-कश्मीर राइफल्स

77. 13766099 राइफलमैन अशवनी कुमार, 9 जम्मू-कश्मीर राइफल्स

78. 13767947 राइफलमैन हरेन्द्र सिंह, जम्मू-कश्मीर राइफल्स/52 राष्ट्रीय राइफल्स

79. जी 3201094 राइफलमैन एम राम जानी, 32 असम राइफल्स

80. जी 5003869 राइफलमैन के. थोंगमिन नाग खोंगसाइ, 34 असम राइफल्स

81. जी 5006894 राइफलमैन ... न्यायसी, 15 असम राइफल्स

82. 15617069 गार्ड्समैन संदीप यादव, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/21 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

83. 15617486 गार्ड्समैन मदन कांच, 11 ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स

84. 2693120 ग्रेनेडियर मनोज कुमार सिंह, ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

85. 2695045 ग्रेनेडियर हुकम सिंह मीणा, ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)

86. 2699903 ग्रेनेडियर मोहनलाल सिंह राजपूत, ग्रेनेडियर्स/12 राष्ट्रीय राइफल्स

87. 15478105 सवार मुकेश पांडी, कवचित रेजिमेंट/14 राष्ट्रीय राइफल्स

वरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 101-प्रेज/2008 — राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"नौसेना मेडल/नेवी मेडल"** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :-

1. कमांडर परमवीर सिंह मिढ़ु (03974-एफ)

2. लेफ्टिनेंट कमांडर राजीव कुमार बाली, (05013-टी)

3. लेफ्टिनेंट कमांडर श्वेत कुमार, (42139-डब्ल्यु) (मरणोपरांत)

4. दीपक शिवदान, सी I, (211153-एन) (मरणोपरांत)

5. एफ चार्ल्स आर कुमार, एल एम ई आर ए II, (193532-वाई)

6. पंकज कुमार, एल एम ई, (124525-एन)

वरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 102-प्रेज/2008 - राष्ट्रपति विंग कमांडर हरविन्दर संधू (20447) उड़ान (पायलट) को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए **"वायुसेना मेडल/एयरफोर्स मेडल"** प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं ।

बरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 103-प्रेज/2008 - राष्ट्रपति, **सेनाध्यक्ष** से **रक्षा मंत्री** द्वारा प्राप्त निम्नलिखित अफसरों/कार्मिकों के लिए **"मेंशन इन डिस्पैचिज़"** हेतु उनके नाम भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु आदेश देती हैं:-

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-46609 लेफ्टि.कर्नल सुन्दरेसन आर, राजपूत रेजिमेंट, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
2. आईसी-54036 मेजर सुमित मलहान, सेना मेडल, इंजीनियर्स, 44 राष्ट्रीय राइफल्स
3. आईसी-56444 मेजर विक्रम राजेभोसले, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, 26 राष्ट्रीय राइफल्स
4. आईसी-56620 मेजर मनिन्द्र पाल सिंह, सिख रेजिमेंट, 16 राष्ट्रीय राइफल्स
5. आईसी-58267 मेजर हिमांशु भटनागर, तोपखाना रेजिमेंट, 62 राष्ट्रीय राइफल्स
6. आईसी-61551 मेजर अर्थ कुक्रेती, कर्वाचित कोर, 8 राष्ट्रीय राइफल्स
7. आईसी-62525 मेजर दलबीर सिंह रावत, कर्वाचित कोर, 8 राष्ट्रीय राइफल्स
8. आईसी-62659 मेजर सुनिल कुमार, सेना वायु रक्षा, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
9. आईसी-63077 मेजर अमित कुमार सिहाग, 24 राजपूत रेजिमेंट
10. आईसी-64906 मेजर हर्षवीर सिंह, पैराच्यूट रेजिमेंट, 26 राष्ट्रीय राइफल्स
11. आईसी-61622 कैप्टन हर्ष वर्धन शर्मा, तोपखाना रेजिमेंट, 11 राष्ट्रीय राइफल्स
12. आईसी-61804 कैप्टन पीयूष यादव, इंटेलिजेंस, 15 सी आई एस यूनिट
13. आईसी-63676 कैप्टन अभिषेक सिंह मौर्या, सिगनल्स, 11 राष्ट्रीय राइफल्स
14. आईसी-64677 कैप्टन शशांक शरद जोशी, सिगनल्स, 62 राष्ट्रीय राइफल्स
15. जेसी-240354 सूबेदार विश्वानाथ राव पवार, कर्वाचित कोर, 55 राष्ट्रीय राइफल्स
16. जेसी-429306 सूबेदार शेर सिंह, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल्स
17. जेसी-429694 सूबेदार रविन्द्र सिंह, पंजाब रेजिमेंट, 37 राष्ट्रीय राइफल्स
18. 2481347 हवलदार गुर्मेल सिंह, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल्स
19. 2986704 हवलदार राकेश सिंह तोमर, राजपूत रेजिमेंट, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
20. 9088858 हवलदार मदन गोपाल, 8 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री
21. 9094429 हवलदार चुन्नी लाल, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, 55 राष्ट्रीय राइफल्स (मरणोपरांत)
22. 9418974 हवलदार हाइदीप राई, शौर्य चक्र, 3/11 गोरखा राइफल्स

23. 15107648 हवलदार [illegible] ब्रह्मा, तोपखाना रेजिमेंट, 62 राष्ट्रीय राइफल्स
24. 1084079 दफादार [illegible] सिंह, कवचित कोर, 4 राष्ट्रीय राइफल्स
25. 2790606 लांस हवलदार कसकर पांडुरंग महादेव, 9 मराठा लाइट इन्फैंट्री
26. 2792293 नायक [illegible] आर बी, 9 मराठा लाइट इन्फैंट्री
27. 2889868 नायक [illegible] सिंह, 9 राजपूताना राइफल्स (मरणोपरांत)
28. 5453280 नायक केश बहादुर घाले, 5 गोरखा राइफल्स (फ्रंटियर फोर्स) 33 राष्ट्रीय राइफल्स
29. 3398840 लांस नायक [illegible] सिंह, सिख रेजिमेंट, 16 राष्ट्रीय राइफल्स
30. 12944663 लांस नायक निसार अहमद, 159 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) (एच एंड एच), डोगरा, 10 राष्ट्रीय राइफल्स
31. 2492330 सिपाही [illegible] सिंह, पंजाब रेजिमेंट, 22 राष्ट्रीय राइफल्स
32. 3000738 सिपाही [illegible], राजपूत रेजिमेंट, 23 राष्ट्रीय राइफल्स
33. 4005815 सिपाही [illegible] कुमार शर्मा, 17 डोगरा रेजिमेंट
34. 9106517 राइफलमैन मोहम्मद मुश्ताक मीर, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, 1 राष्ट्रीय राइफल्स
35. 16012294 राइफलमैन अशोक कुमार, 9 राजपूताना राइफल्स (मरणोपरांत)
36. 15323810 सैपर [illegible] कुमार रेड्डी वेल्लौला, इंजीनियर्स, 1 राष्ट्रीय राइफल्स
37. 15330548 सैपर [illegible] पेरूनथलैर, इंजीनियर्स, 1 राष्ट्रीय राइफल्स
38. 14444199 गनर [illegible] कुमार, तोपखाना रेजिमेंट, 32 राष्ट्रीय राइफल्स
39. 15775928 गनर [illegible] खान, सेना वायु रक्षा, 58 राष्ट्रीय राइफल्स

ऑपरेशन हिफाजत

40. आईसी-68426 मेजर फ्रांसिस चन्द्रामोहन, इएमई, 8 सिख रेजिमेंट
41. 3399679 लांस नायक [illegible] सिंह, 8 सिख रेजिमेंट
42. 3408083 सिपाही [illegible] सिंह, 8 सिख रेजिमेंट

परियोजना जरांज, अफगानिस्तान

43. 950120025 ईएमक्यू मनोज कुमार सिंह, जीआरईएफ, मुख्यालय(पी) जरांज, अफगानिस्तान (मरणोपरांत)
44. जीएस-170936 सुपरवाइजर महेन्द्र प्रताप सिंह, जीआरईएफ, 759 बीआरटीएफ (मरणोपरांत)
45. 15567639 सैपर [illegible], इंजीनियर्स, 85 सड़क निर्माण कंपनी (मरणोपरांत)
46 जीएस-160047 [illegible] गोविन्दास्वामी, जीआरईएफ, 759 बीआरटीएफ (मरणोपरांत)
47. 897040148 ड्राइवर [illegible], जीआरईएफ, 23 बीआरटीएफ (मरणोपरांत)

वरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 104-प्रेस/2008 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी उत्कृष्ट बहादुरी के लिए **"अशोक चक्र"** से सम्मानित करने की स्वीकृति प्रदान करती हैं :-

1. **श्री आर.पी.डेंगडोह,**
मेघालय पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 नवंबर 2007)

06 नवंबर 2007 को सूचना मिली कि एके 47, एके 56 राइफलों तथा बड़ी मात्रा में विस्फोटकों से लैस दो प्रतिबंधित उग्रवादी गुटों के लगभग दस काडरों ने असम की सीमा से लगे मेघालय के घने जंगलों में एक कैंप स्थापित कर रखा था ।

श्री आर.पी. डेंगडोह ने उग्रवादियों के विरुद्ध तलाशी तथा विनाश ऑपरेशनों में स्वेच्छा से नेतृत्व प्रदान किया । 07 नवंबर 2007 को सूर्योदय से पहले पुलिस दल मौके पर पहुँचा तथा उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए कैंप पर धावा बोल दिया । उग्रवादियों ने धावा दल पर भारी गोलीबारी कर दी । श्री डेंगडोह ने भी बदले में गोली चलाई और एक उग्रवादी को मौके पर ही मार गिराया । तथापि, उनके बाएं कंधे के ठीक नीचे एक गोली लग गई । अपनी गंभीर चोट की परवाह किए बिना अफसर असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए अपने दल का नेतृत्व करते रहे और इस प्रकार दो दुर्दांत उग्रवादियों को पकड़ने में कामयाब रहे । शेष उग्रवादी भारी गोलीबारी की आड़ लेकर कैंप छोड़कर भागने का प्रयास करने लगे । श्री डेंगडोह ने चिकित्सा सहायता हेतु ले जाने के लिए मना करते हुए उन्हें पकड़ने के लिए बड़े साहस से उग्रवादियों का पीछा किया। तथापि, गंभीर चोट के कारण वे बाद में वीरगति को प्राप्त हो गए ।

श्री आर.पी. डेंगडोह ने अनुकरणीय कर्त्तव्यपरायणता और उत्कृष्ट वीरता का प्रदर्शन किया और उग्रवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया ।

2. **सहायक कमांडेंट श्री प्रमोद कुमार सतपथी, विशेष ऑपरेशन ग्रुप के ट्रेनिंग इंचार्ज**
उड़ीसा राज्य सशस्त्र पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 16 फरवरी 2008)

15 फरवरी 2008 को रात्रि में 10 बजकर 30 मिनट पर हथियारों से पूरी तरह से लैस पांच सौ से अधिक नक्सलियों ने भुवनेश्वर के समीप कई जगहों पर पुलिस बल के ऊपर एक साथ हमला किया तथा 1200 से अधिक हथियार लूट लिए और 14 पुलिस कर्मियों को मार डाला । घटना को अंजाम देने के बाद 300 से अधिक नक्सली गंजम और फुलबानी जिलों के बाहरी क्षेत्र के जंगलों की ओर लौट गए ।

सहायक कमांडेंट प्रमोद कुमार सतापथी, विशेष ऑपरेशन ग्रुप, चांदका में कुल 20 उपलब्ध कर्मियों के साथ नयागढ़ की ओर तुरंत निकल पड़े । उन्होंने फौरन एक योजना बनाई और अपने दल के साथ जंगल में घुस गए । नक्सलियों ने जंगल के भीतर एक ऊंची जगह पर मोर्चा संभाल रखा था । लक्षित क्षेत्र में पहुंचने के बाद श्री सतापथी ने नक्सलियों पर धावा बोल दिया । नक्सलियों ने पुलिस दल पर भारी गोलीबारी की और लगभग दो घंटे तक एक भीषण मुठभेड़ चली। श्री सतापथी ने अनुकरणीय बहादुरी के साथ ऑपरेशन का नेतृत्व किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया। बाद में मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद बरामद किया गया ।

वरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 105-प्रज/2008 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी अदम्य वीरता के लिए **"कीर्ति चक्र"** की स्वीकृति प्रदान करती हैं :-

1. **एससी-00134 मेजर सुशील कुमार सिंह, बिहार रेजिमेंट/63 राष्ट्रीय राइफल**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 13 सितंबर 2007)

जम्मू-कश्मीर के आम इलाके में चार दुर्दांत आतंकवादियों के आने के बारे में प्राप्त खुफिया सूचना के आधार पर मेजर सुशील कुमार सिंह के नेतृत्व में सेना की एक टुकड़ी 11 सितंबर 2007 को भेजी गई। इस टुकड़ी ने पूरी गोपनीयता के साथ खराब मौसम के बावजूद लगभग 48 घंटे तक लक्ष्य क्षेत्र में छोटी-छोटी टीमों में अपने को तैनात रखा। 13 सितंबर 2007 को तकरीबन 1900 बजे अफसर ने देखा कि ढोक के पास आतंकवादी धीरे-धीरे एकत्रित हो रहे हैं। उसने उनके भागने के सभी रास्तों को बंद करते हुए अपनी छोटी-छोटी टुकड़ियों को पुनः संगठित कर लिया। अपने को घिरा पाकर आतंकवादी अंधाधुंध गोलियां चलाने लगे। अधिकारी ने सूझबूझ प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए अपने सिपाहियों को आदेश दिया कि वे गोलाबारी की आड़ उपलब्ध कराएं। इस दौरान अपनी जान की परवाह न करते हुए वे आगे बढ़े और दो दुर्दांत आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया। इसी दरम्यान दो और आतंकवादियों ने घनी झाड़ियों का इस्तेमाल करते हुए भागने की कोशिश की। अधिकारी ने सर्वोच्च बहादुरी दिखाते हुए भाग रहे आतंकियों का पीछा किया और इस तरह दोनों आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

मेजर सुशील कुमार सिंह ने आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में अनुकरणीय नेतृत्व और अदम्य साहस का प्रदर्शन किया।

2. **आईसी-65167 मेजर नुंलेप्पम बुद्धिमन्ता सिंह, सेना मेडल, राजपूत रेजिमेंट/32 असम राइफल**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 अक्तूबर 2007)

राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से अति संवेदनशील वातावरण में रहते हुए भी मेजर नुंलेप्पम बुद्धिमन्ता सिंह ने मणिपुर में एक कारगर खुफिया तंत्र बनाया और सावधानीपूर्वक योजना के तहत अपनी सैन्य टुकड़ी को खरोंच तक न लगने दी। उन्होंने मानव मूल्यों का उल्लंघन किए बिना तथा बिना किसी अन्य नुकसान के 10 दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया करने में सतत रूप से अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया।

एक के बाद एक ऑपरेशन करके अफसर ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आगे से मोर्चा संभाले हुए इस अवैध ग्रुप के दो दुर्दान्त आतंकवादियों पर टूट पड़े और इस भीषण मुठभेड़ में 01 जुलाई 2007 को उन्हें मार गिराया । अपने लक्ष्य से विचलित हुए बिना उन्होंने 18 व 28 अगस्त 2007 को शत्रु की अंधाधुंध भारी गोलाबारी के बीच अकेले ही बहुत ही कुख्यात और खूंखार आतंकवादी दल के दो दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराया । 03 अक्तूबर 2007 को फिर से अपनी हिफाज़त की परवाह किए बिना उन्होंने एक साहसिक ऑपरेशन में भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया । भीषण गोलाबारी तथा हथगोलों के प्रक्षेपण के बाद यह अफसर आगे बढ़े तथा अकेले ही दो दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराया और उनके कब्जे से अत्याधुनिक हथियारों और गोलाबारूद का जखीरा बरामद कर लिया ।

मेजर नुंलेप्पम बुद्धिमन्ता सिंह, सेना मेडल ने इस प्रकार आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में साहसिक नेतृत्व व उल्लेखनीय बहादुरी का प्रदर्शन किया ।

3. **एससी-00137 मेजर राजिन्दर कुमार शर्मा**
ग्रेनेडियर/32 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 अक्तूबर 2007)

मेजर राजिन्दर कुमार शर्मा ने सतर्क आयोजना के साथ, एक के बाद एक लक्ष्यभेदी ऑपरेशन करके लगातार अपनी कंपनी का नेतृत्व अग्रिम मोर्चे से किया ।

04 सितंबर 2007 को एक भीषण मुठभेड़ में भाग रहे आतंकवादियों का जोरदार पीछा किया गया । भारी गोलाबारी और ग्रेनेड से हमला होने के बावजूद अधिकारी ने खूंखार आतंकवादी सरगने के तीन दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराया और उनके कब्जे से दो एके राइफल व एक पिस्तौल बरामद कर लिया ।

06 अक्तूबर 2007 को, आमने-सामने हो रही शत्रु की भीषण गोलाबारी में यह अफसर डटे रहे और फंस हुए आतंकवादियों पर टूट पड़े । उसके बाद उन्होंने अकेले ही सरगने के दो बड़े आतंकवादियों को मार गिराया ।

मेजर राजिन्दर कुमार शर्मा ने इस प्रकार दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया करने में उल्लेखनीय बहादुरी और अडिग साहस का परिचय दिया ।

4. **आईसी-64615 कैप्टन सुनील कुमार चौधरी, सेना मेडल**
7/11 गोरखा राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 27 जनवरी 2008)

कैप्टन सुनील कुमार चौधरी ने अपनी ओजस्विता के बल पर एक जोरदार खुफिया तंत्र स्थापित कर लिया था । 27 जनवरी 2008 को यह सूचना मिली कि असम राज्य के तिनसुकिया जिले के एक गांव में आतंकवादी मौजूद हैं। कैप्टन चौधरी ने स्वेच्छा से पहल की और अपनी टीम के साथ मिशन पर निकल पड़े

और गांव पहुंच गए। जब घेराबंदी की जा रही थी तभी आतंकवादी भागने की फिराक में एक घर में घुस गए और अंधाधुंध गोली चलाते हुए पास के जंगल की ओर भाग निकले।

कैप्टन चौधरी ने अपनी जान की जरा भी परवाह न करते हुए लगातार गोलाबारी होने के बावजूद भाग रहे आतंकवादियों का पीछा किया और इस साहसपूर्ण कार्रवाई में एक आतंकवादी को मार गिराया। तत्पश्चात वे पीछा करते रहे और दूसरे आतंकवादी पर भी गोली चलाई और उनके पैर को घायल कर दिया। इस गोलाबारी में कैप्टन चौधरी को पेट में गंभीर चोट लग गई। सुरक्षित स्थान पर जाने से मना करते हुए उन्होंने आतंकवादियों से सम्पर्क स्थापित करने का निर्णय लिया। एक अन्य भाग रहे आतंकवादी का पीछा करते समय अचानक उनका आमना-सामना क्षेत्र के सबसे खूंखार आतंकवादी से हो गया। बहादुरी और हिम्मत का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए चोटों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पहले उन्होंने उस दुर्दांत आतंकवादी का काफी करीब जाकर गोली से मार गिराया।

कैप्टन सुनील कुमार चौधरी ने इस ऑपरेशन में असाधारण वीरता, उत्कृष्ट आक्रामक आत्मबल और कर्तव्यपरायणता से भी बढ़कर प्रदर्शन किया और आतंकवादियों से लड़ते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान किया।

5. **आईसी-50575 लेफ्टिनेंट कर्नल मनिश शशिकांत कदम**
पंजाब रेजिमेंट/22 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 16 मार्च 2008)

लेफ्टिनेंट कर्नल मनिश शशिकांत कदम जम्मू-कश्मीर में स्थित 22 राष्ट्रीय राइफल के सेकेन्ड-इन-कमांड थे।

16 मार्च 2008 को सूचना मिली थी कि बारामूला जिले के एक गांव में कुछ आतंकवादी मौजूद हैं। उन्होंने स्वयं ही अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया ताकि उनके ठिकाने वाले घर की घेराबंदी कर सकें। अपने को घिरा पाकर एक आतंकवादी ने घेराबंदी को उस समय तोड़ने की कोशिश की जब आतंकवादी ठिकाने व आस-पास के घरों से सिविलियनों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा रहा था। आतंकवादी ने टुकड़ी पर हमला करते हुए हमारे सैनिकों को घायल कर दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल कदम ने स्थिति को संभाला और नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए भाग रहे आतंकवादी के ऊपर जोरदार गोलीबारी कर दी और उसे घायल कर दिया। इसके बाद अफसर ने खून के निशानों का पीछा करते हुए आतंकवादी को पकड़ने के लिए फिर से घेराबंदी की। उसने अपने टुकड़ी को आदेश दिया कि वे उन्हें गोलीबारी की आड़ दें जबकि वह स्वयं घर के पास तक पहुंच गए जहां आतंकवादी छिपा हुआ था और उसने घर के अंदर हथगोला फेंक दिया। आतंकवादी ने धुंआधार गोली चलाते हुए अफसर की तरफ दो हथगोले फेंककर घेराबंदी को फिर से तोड़ डालने और भागने का प्रयास किया। अफसर ने सूझबूझ के साथ इस अवसर पर जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी को मार गिराया। किन्तु आतंकवादी द्वारा की गई गोलीबारी से अफसर की मौत हो गई। शिनाख्त किए जाने पर पता चला कि आतंकवादी इस घाटी में आतंकवादी संगठन का मुखिया था।

लेफ्टिनेंट कर्नल मनिश शशिकांत कदम ने आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में अपने अदम्य साहस और उल्लेखनीय वीरता और उच्च कोटि के नेतृत्व का प्रदर्शन किया

6. **आईसी-31794 ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता**
इंटेलिजेंस कोर/भारतीय दूतावास, काबुल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 जुलाई 2008)

ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता ने भारतीय दूतावास, काबुल, अफगानिस्तान में रक्षा अताशे के रूप में अपनी नियुक्ति के पांच माह के अल्प काल में ही भारत-अफगानिस्तान के ऐतिहासिक एवं प्रगामी संबंधों को मजबूत बनाने में काफी योगदान दिया ।

आतंकवाद प्रभावी युद्ध घोषित क्षेत्र में रहते हुए तथा जान से मार दिए जाने की धमकियों से बेपरवाह उन्होंने अफगानिस्तानी सेना, सुरक्षा एजेंसियों तथा स्थानीय लोगों के साथ घनिष्ठ सहयोग का वातावरण बनाने में बिना रुके लगातार काम किया । इसके लिए उन्हें अकसर दूर-दराज के खतरनाक क्षेत्रों में भी जाना पड़ा। इस संवेदनशील पास पड़ोसी में उनके बहादुरी के कारनामों से राष्ट्रीय हितों को सुदृढ़ करने में सहयोग मिला।

सुरक्षा से जुड़े कामों के लिए जिम्मेदार होने के नाते इस अधिकारी को यह सूचना मिली कि आतंकवादी विस्फोटकों से लदे वाहनों का प्रयोग करके भारतीय दूतावास पर आत्मघाती हमला करने वाले हैं । इस पृष्ठभूमि में रोज की तरह दूतावास आकर अफसर ने अपनी दैनिक ड्यूटी शुरू करने से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की । 07 जुलाई 2008 को संभवत: इस रोजमर्रा की कवायद की वजह से आतंकवादियों ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी से उनकी कार को टक्कर मार दी जिससे विस्फोट दूतावास के मुख्य भवन में न होकर उसके द्वार पर ही हो गया । अन्यथा मुख्य भवन पर विस्फोट आपदापूर्ण साबित हुआ होता।

अपनी जान की फिक्र न करते हुए, सख्त सुरक्षा जांच करके कर्त्तव्यपरायणता से भी बढ़कर काम करते हुए उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि समूचे दूतावास भवन को उड़ा देने की आतंकवादियों की चाल सफल न हो पाए । इस काम को अंजाम देने में यद्यपि उन्होंने अपना जीवन न्योछावर कर दिया किंतु राष्ट्र के जान-माल की भारी बर्बादी को होने से रोक दिया।

ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता ने बहादुरी तथा कर्त्तव्यपरायणता से आगे बढ़कर निस्वार्थ सेवा का प्रदर्शन किया और भारतीय सेना की उच्च परंपरा का निर्वाह करते हुए अपनी जान की कुर्बानी दी।

7. **श्री वी.वेंकटेश्वर राव**
काउंसलर, भारतीय दूतावास, काबुल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 जुलाई 2008)

श्री वी.वेंकटेश्वर राव ने 05 अगस्त 2006 को भारतीय दूतावास काबुल में कार्यभार ग्रहण किया था । अफगानिस्तान में मौजूद सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति होने के बारे में जानकारी होने के बावजूद वे काबुल में तैनाती के लिए स्वेच्छा से आगे बढ़कर आए थे ।

अफगानिस्तान कठिनाइयों के दौर से गुजर रहा है । हिंसा व आतंकवाद चारों तरफ फैला हुआ है । अफगानिस्तान सरकार को भारत द्वारा लगातार राजनीतिक एवं आर्थिक मदद दिए जाने के चलते भारतीय राजनयिक विशेष रूप से निशाने पर हैं । ऐसी विकट परिस्थिति में भारतीय विदेश नीति को आगे बढ़ाने में श्री राव का योगदान वाकई उत्कृष्ट था । जान की धमकी मिलने के बावजूद भी श्री राव जो राजनीतिक एवं सूचना के कार्य से जुड़े थे कर्तव्यनिष्ठता से च्युत नहीं हुए और सौंपे गए काम को मुस्तैदी एवं बहादुरी से करते रहे । उन्होंने काम के प्रति उल्लेखनीय प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया तथा वे मेहनती भी थे । विकट कार्य परिस्थिति में भी वे साथ काम करने वालों का हौसला बुलंद करते रहे । 7.7.2008 को आतंकवादियों द्वारा किए गए निर्दयी हमले तक जिसमें वे दूतावास के चार अन्य अधिकारियों के साथ स्वयं भी मारे गए थे, उन्होंने भारत-अफगानिस्तान संबंधों को सुदृढ़ बनाने में भारी योगदान किया ।

श्री वी.वेंकटेश्वर राव ने कठिन परिस्थितियों में काम करने की उल्लेखनीय प्रतिबद्धता और अनूठे साहस का प्रदर्शन किया । धमकियों के बावजूद भी राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने में अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर भी राष्ट्र की सेवा की ।

8. **900150404 कांस्टेबल/जीडी अजय सिंह पठानिया (मरणोपरांत)**

एवं

9. **910140615 कांस्टेबल/जीडी रूप सिंह (मरणोपरांत)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 जुलाई 2008)

वर्ष 2007 में कांस्टेबल अजय सिंह पठानिया और कांस्टेबल रूप सिंह का चयन अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास, काबुल में आईटीबीपी की टुकड़ी के साथ एक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण कार्य के लिए किया गया । वे दोनों क्रमश: 20.01.08 और 13.2.08 को इस काम पर लिए गए थे।

07 जुलाई 2008 को कांस्टेबल रूप सिंह दूतावास के मुख्य द्वार पर स्लाइडिंग बैरियर की पहरेदारी कर रहे थे तथा कांस्टेबल अजय सिंह पठानिया मुख्य द्वार पर संतरी की ड्यूटी पर तैनात थे । 0830 बजे लैंड रोवर गाड़ी जिसमें रक्षा अताशे ब्रिगेडियर आर.डी.मेहता व काउंसलर श्री वी.वेंकटेश्वर राव बैठे थे, गेट के पास पहुंची । तभी कांस्टेबल अजय सिंह पठानिया ने पाया कि एक सफेद रंग की टोयोटा कोरोला उनकी लैंड रोवर गाड़ी के ठीक पीछे खड़ी है । कुछ समय से अफगानिस्तान में सेवा करने तथा आत्मघाती हमलों के इस तरह के तौर-तरीकों के बारे में पूर्णत: परिचित होने के कारण दोनों सिपाहियों ने यह संभावना जताई कि गाड़ी विस्फोटकों से भरी हो सकती है और आत्मघाती बम फेंकने वाला इसमें सवार हो सकता है । कांस्टेबल अजय सिंह पठानिया पीछे वाली कार की तरफ और शंकालु हो गए और कांस्टेबल रूप सिंह को आवाज दी कि वह स्लाइडिंग रेक्सा-बैरियर को न उठाए । कांस्टेबल रूप सिंह ने तत्परता से जवाब दिया और बैरियर को नहीं उठाया । इसी क्षण टोयोटा कोरोला लैंड रोवर से जा टकराई जिसके फलस्वरूप भारी विस्फोट हुआ जिसको

कांस्टेबल अजय सिंह पठानिया व कांस्टेबल रूप सिंह ने भारतीय दूतावास काबुल में भारी तबाही को टालते हुए अत्याधिक साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण तथा प्रेरणा एवं धैर्य का परिचय देते हुए राष्ट्र के सम्मान एवं संप्रभुता की रक्षा की ।

बरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

संख्या 106-प्रेज/2008 - राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी उल्लेखनीय बहादुरी के लिए **"शौर्य चक्र"** की स्वीकृति प्रदान करती हैं :-

1. **13754936 नायक मोहम्द सादिक**
7 जम्मू-कश्मीर राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जुलाई 2007)

नायक मोहम्द सादिक उस घातक दल के कमांडर थे जिसने उन आतंकवादियों की घेराबंदी कर रखी थी जो 05 जुलाई 2007 को नियंत्रण रेखा की चहारदीवारी को लांधकर अंदर घुस आया था । घुप अंधेरा होने के बावजूद वह डटा रहा और अपने घातक दल से गोली चलवाई और आतंकवादियों को भागने से रोके रखा । दिन के समय घनी झाड़ियां होने के बावजूद उसने दो आतंकवादियों की शिनाख्त कर ली जो घेरा तोड़कर भागना चाहते थे । अपनी तात्कालिक सूझबूझ का परिचय देते हुए उसने अकेले ही बड़ी सफाई के साथ दोनों आतंकवादियों को मार गिराया ।

तत्पश्चात्, तलाशी के दौरान, एक आतंकवादी ने बड़े करीब से अचानक उस पर गोली चलाई। घायल होने पर भी अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए तथा अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना ही, वह आतंकवादी पर टूट पड़ा और उसके हथियार को ले लिया । फिर भी आतंकवादी ने अपने दूसरे हाथ से पिस्तौल निकाल ली और नायक मोहम्द सादिक के पैर में चोट पहुंचा दी । तथापि, बहादुरी, साहस एवं दृढ़ निश्चय का उत्कृष्ट मानदंड प्रदर्शित करते हुए वह उसे तब तक दबोचे रहा जब तक उसके साथी ने आतंकवादी को गोली नहीं मार दी ।

नायक मोहम्द सादिक ने तीन दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया करने में सूझबूझ, धैर्य व दृढ़ निश्चय का प्रदर्शन किया ।

2. **आईसी-58405 मेजर सुकेश वर्मा**
कवचित रेजिमेंट/4 असम राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 11 अगस्त 2007)

मेजर सुकेश वर्मा मणिपुर में बहुत ही बीहड़ क्षेत्र में ब्रेवो कंपनी की कमान संभाले हुए थे । 23 जून 2007 को अपनी द्रुत कार्रवाई टीम के साथ अधिकारी ने एक दुर्दांत आतंकवादी को पकड़ने के लिए नेशनल

हाईड 30 पर घेरा डाला । आतंकवादी इस फंदे में फंस गया लेकिन उसने सैनिकों पर अंधाधुंध फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की । अपने साथियों की सुरक्षा के प्रति खतरा देखकर मेजर सुकेश वर्मा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए निर्भीकतापूर्वक आतंकवादी के ऊपर बहुत नजदीक से गोली दाग दी । मारे गए आतंकवादी की पड़ताल करने पर हथियार कराने की योजना का पता चला । अफसर ने आगे अनुवर्ती कार्रवाई की और 25 जून, 2007 को सीमा को पार कराते हुए (ट्रांसशिपमेंट) पकड़ा जो लगभग एक करोड़ रुपए के मूल्य का था ।

इसके बाद 11 अगस्त 2007 को, मेजर सुकेश वर्मा ने एक और विशेष ऑपरेशन चलाया, संदेह वाले क्षेत्र की छानबीन करने के दौरान उनकी टुकड़ी पर भारी गोलाबारी की गई । सामरिक कौशल का इस्तेमाल करते हुए मेजर सुकेश वर्मा अपने सैनिकों को कवर देने के लिए पीछे से बढ़कर आगे आए और जवाबी गोलीबारी की । लगातार भारी गोलीबारी से सैनिक भी विचलित हुए किन्तु वे स्वयं आतंकवादियों की ओर बढ़े तथा दो दुर्दांत आतंकवादियों को अकेले ही मार गिराया । आगे की गोलीबारी में तीसरा आतंकवादी भी मारा गया और उसके पास से भारी हथियार, गोलाबारूद व युद्ध सामग्री बरामद हुई ।

मेजर सुकेश वर्मा ने आतंकवादियों से लड़ने में उल्लेखनीय वीरता व उत्कृष्ट नेतृत्व के गुणों का प्रदर्शन किया।

3. **जेसी 841556 नायब सूबेदार कुलवंत सिंह**
रक्षा सुरक्षा कोर/21 फील्ड एम्यूनीशन डिपो (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 11 अगस्त 2007)

11 अगस्त, 2007 को दूसरी सेक्टर के फील्ड एम्यूनीशन डिपो में एक विस्फोट हुआ। घटना के तुरंत बाद नायब सूबेदार कुलवंत सिंह घटना क्षेत्र में पहुंच गए और आग बुझाने में अग्नि शमन दल के कर्मचारियों की मदद करने लगे । एक के बाद एक हो रहे विस्फोटों के कारण भीषण गर्मी और धुएं से पूरा इलाका भर गया था तब भी वह घायलों को सुरक्षित जगह पर ले जाते रहे । अपनी जान की परवाह न करते हुए वह घायलों को बचाने के लिए एक बार फिर से अंदर गए और भारी विस्फोटों के बीच दो और अग्नि शमन दल के लोगों को बचाया । तब तक और धमाके हो चुके थे और आसन्न खतरे के बावजूद उन्होंने विस्फोट क्षेत्र में घुसने का एक और अद्वितीय साहसिक कारनामा कर दिखाया ताकि और घायलों को बचाया जा सके और इस प्रकार उन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान कर दिया ।

नायब सूबेदार कुलवंत सिंह ने उत्कृष्ट वीरता और निःस्वार्थ कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया और लोगों को बचाने में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया ।

4. **स्क्वाड्रन लीडर प्रणय कुमार (25603) उड़ान (पायलट)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 02 सितंबर 2007)

02 सितम्बर 2007 को स्क्वाड्रन लीडर प्रणय कुमार को बचाव मिशन के लिए अतिरिक्त पायलट के

को निकालना शामिल था । घुप अंधेरे की अवस्था में बिना दृश्य सहायता के ऑपरेशन करने में कोई लाभ नहीं हो रहा था । दल ने रात्रि दृश्य चश्मों की सहायता से मिशन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया जिससे उनको बेहतर स्थैतिक जानकारी उपलब्ध हुई ।

जब विंच क्रेडल को नीचे किया गया तब उत्तरजीवी छह घंटे से अधिक समय तक जल धाराओं से संघर्ष करने के कारण अत्यधिक थक जाने की वजह से अपने आप को विंच से लपेट नहीं पाया । ऐसे मौके पर स्क्वाड्रन लीडर प्रणय कुमार उत्तरजीवी को बचाने के लिए स्वेच्छा से तुरंत आगे बढ़े । अपने जीवन के प्रति खतरे को भलीभांति जानते हुए भी उन्होंने फ्लाइट गनर को आपात सिगनल पर सूचना दी तथा घाटी में उतर गए । उन्होंने हैंड सिगनल का इस्तेमाल करते हुए हेलिकॉप्टर के चालक दल का मार्गदर्शन किया तथा अंधेरे और तेज जल प्रवाह के बावजूद वे उत्तरजीवी के पास पहुंचने में कामयाब हो गए । उत्तरजीवी के पास पहुंचने पर उन्होंने महसूस किया कि उत्तरजीवी को रस्सी से बांधने के लिए नीचे उतरने की जगह अपर्याप्त है । उन्होंने उत्तरजीवी को अपने शरीर से बांधने का तुरंत निर्णय लिया । जल के तेज प्रवाह में आधा डूबकर उन्होंने यह कार्य किया तथा उन्होंने उत्तरजीवी को कस कर पकड़े रखा तथा फ्लाइट गनर को ऊपर खींचने के लिए संकेत दिया । समस्त शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल करते हुए स्क्वाड्रन लीडर प्रणय कुमार ने बचाव ऑपरेशन के सफल होने तक उत्तरजीवी को पकड़े रखा ।

स्क्वाड्रन लीडर प्रणय कुमार ने प्रतिकूल परिस्थितियों में साथी नागरिकों के जीवन को बचाने का प्रयास करते समय असाधारण साहस तथा बहादुरी का प्रदर्शन किया ।

5. **कांस्टेबल विजय कुमार हरेल**
सीमा सुरक्षा बल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 09 सितंबर 2007)

09 सितंबर 2007 को 1000 बजे एक वायुसेना एमआई-17 हेलिकॉप्टर बांदीपुर हेलिपेड पर उतरा । पुनःईंधन भरण के दौरान ईंधन टैंक के निकट अचानक आग लग गई तथा हेलिकॉप्टर आग की चपेट में आ गया । अग्नि अलार्म बजाया गया । इससे सीमा सुरक्षा बल की 51 बटालियन का द्रुत कार्रवाई बल सचेत हो गया जिसने तुरंत प्रतिक्रिया की और मौके की तरफ दौड़ा । कांस्टेबल विजय हरेल द्रुत कार्रवाई दल में शामिल थे । दल ने तुरंत प्रति कार्रवाई की तथा अग्निशमन कार्य शुरू कर दिया । कांस्टेबल हरेल बहादुरी से जलते हुए हेलिकॉप्टर पर चढ़े तथा ईंधन नलिका को हेलिकॉप्टर के ईंधन टैंक से अलग कर दिया । उन्होंने आग में फंसे एक सिपाही को भी सुरक्षित स्थान की ओर धकेला । श्री हरेल के सही समय पर बहादुरीपूर्ण कार्य से न केवल एक सिपाही का जीवन बचा बल्कि हेलिकॉप्टर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सका तथा उड्डयन टर्बाइन ईंधन बैरलों को विस्फोटित होने से बचा लिया जो परिवार आवास, कार्यालयों तथा बैरकों के निकट पड़ी हुई थी । एक महा विपत्ति टाल दी गई ।

कांस्टेबल हरेल ने अपने जीवन को बड़े जोखिम में डालकर असाधारण बहादुरी तथा उच्च कोटि की व्यवसायिकता का प्रदर्शन किया ।

6. **आईसी-65732 कैप्टन राहुल सिंह**
गढ़वाल राइफल/14 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 सितंबर 2007)

17 सितंबर 2007 को रात को कैप्टन राहुल सिंह ने उत्तरी सेक्टर में जंगली इलाके में आतंकवादियों के उपस्थित होने की विशेष सूचना प्राप्त की । एक असंदिग्ध तथा दुर्गम पर्वतीय मार्ग के माध्यम से एक छोटे दल का नेतृत्व करते हुए उन्होंने एक छिपने के स्थान का पता लगाया । लगभग 0715 बजे छिपने के स्थान के निकट आते समय आतंकवादियों ने दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी । गोलियों की बौछार के बावजूद कैप्टन राहुल सिंह ने फौलादी इरादों तथा त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन करते हुए प्रति-गोलीबारी की तथा एक आतंकवादी को मार गिराया । दूसरा आतंकवादी एक चट्टान के पीछे कूद गया, एक हथगोला फेंका तथा अफसर पर पुनः गोलीबारी शुरू कर दी । आतंकवादी गोलीबारी के समक्ष अडिग निश्चय का प्रदर्शन करते हुए यह अफसर बिजली की सी गति से आगे बढ़े तथा चट्टानों के पीछे छलांग लगाकर आतंकवादी को घेर लिया तथा उसका सफाया कर दिया । फिर इस बहादुर अफसर ने अपने दल को निकट गोलीबारी सहायता मुहैया कराई जिसके फलस्वरूप तीसरे आतंकवादी का सफाया हुआ ।

कैप्टन राहुल सिंह ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में भारतीय सेना की उच्च परम्पराओं के अनुरूप अत्यधिक खतरे में असाधारण कौशल, अद्वितीय साहस का प्रदर्शन किया ।

7. **15492544 सवार वरिन्द्र कुमार शर्मा**
कवचित रेजिमेंट/60 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 25 सितंबर 2007)

25 सितंबर 2007 को सवार वरिन्द्र कुमार जम्मू-कश्मीर के घने जंगल के जनरल एरिया में एक गहरे नाले के साथ-साथ आगे बढ़ रहे दल के लीडिंग स्काउट थे । इन्होंने 1515 बजे संदिग्ध हरकत देखी । सावधानी से आगे बढ़ने के पश्चात इन्होंने संदिग्ध व्यक्ति को ललकारा जिस पर उसने गोलीबारी की । इन्होंने जवाबी गोलीबारी की तथा एक आतंकवादी को मौके पर ही मार डाला तथा दूसरे आतंकवादी को घायल कर दिया । घायल आतंकवादी जंगल में भाग गया तथा सम्पर्क टूट गया । दो घंटे की तलाशी के पश्चात आतंकवादी का झाड़ियों में पता लगाया गया । सवार वरिन्द्र कुमार शर्मा ने आतंकवादियों पर तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी । भारी गोलीबारी हुई जिसमें सवार वरिन्द्र कुमार शर्मा को गोलियों की बौछार लगी । व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना उन्होंने स्थिति को बदला तथा रेंगकर हथगोला फेंका, इस प्रकार दूसरे आतंकवादी को मार गिराया तथा बाद में अपने घावों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए ।

सवार वरिन्द्र कुमार शर्मा ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में सर्वोच्च बलिदान करके असाधारण कोटि के अनुकरणीय साहस एवं कौशल का प्रदर्शन किया ।

8. **आईसी-65235 मेजर आदित्य कुमार देवरानी**
तोपखाना रेजिमेंट/29 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 नवंबर, 2007)

मेजर आदित्य कुमार देवरानी ने बड़ी चतुराई से विश्वसनीय सूचना जुटाई तथा उत्तरी सेक्टर में एक घर विशेष पर चार दिन तक नजर रखी । 02 नवंबर 2007 को 2200 बजे इस अफसर के नेतृत्व में निगरानी दल ने दो आतंकवादियों की गतिविधि को देखा ।

0145 बजे आतंकवादियों ने हताशा में भाग निकलने की गरज से हथगोले फेंके तथा अंधाधुंध गोलीबारी की । मेजर आदित्य ने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घर से बाहर निकलते एक आतंकवादी को देखा । अफसर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आतंकवादी से सामना किया तथा उसे मौके पर ही मार गिराया । दूसरे आतंकवादी ने घर से हथगोले फेंकना तथा गोलीबारी करना जारी रखा । मेजर आदित्य व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना रेंगकर आतंकवादी पर हथगोले फेंकते हुए गोलीबारी करते हुए घर तक पहुंचे और इस प्रकार दूसरे आतंकवादी को मार गिराया ।

मेजर आदित्य कुमार देवरानी ने दो आतंकवादियों का सफाया करने में असाधारण वीरता तथा अनुकरणीय नेतृत्व का प्रदर्शन किया ।

9. **2693081 ग्रेनेडियर खिल्लु राम मीणा**
ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 06 नवंबर 2007)

06 नवंबर 2007 को लगभग 1630 बजे जम्मू-कश्मीर के एक क्षेत्र में 4-5 आतंकवादियों के होने की सूचना मिली । द्रुत कार्रवाई दल के संख्या 2 स्काउट के रूप में ग्रेनेडियर खिल्लुराम मीणा ने संदिग्ध घर को घेर लिया । लगभग 2300 बजे ग्रेनेडियर खिल्लु राम मीणा पर आतंकवादियों की तरफ से भारी स्वचालित हथियारों से गोलीबारी हो गई । ग्रेनेडियर खिल्लु राम मीणा ने फौलादी इरादों का प्रदर्शन करते हुए एक आतंकवादी को गोली से मार डाला । लड़ाई के दौरान स्काउट संख्या 1 ग्रेनेडियर मनोज को गोलियों के घाव लगे । व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना ग्रेनेडियर खिल्लु राम मीणा ने ज्योंहि ग्रेनेडियर मनोज का बचाव किया वह आतंकवादी गोलीबारी के सामने आ गए । लड़ाई के दौरान ग्रेनेडियर खिल्लुराम मीणा गंभीर रूप से घायल हो गए । गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद खिल्लु राम मीणा ने आतंकवादियों से लड़ाई जारी रखी तथा वीरगति को प्राप्त करने से पूर्व दूसरे आतंकवादी को मार गिराया ।

ग्रेनेडियर खिल्लुराम मीणा ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अदम्य साहस, असाधारण बहादुरी का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया ।

10. आईसी-65693 कैप्टन अमित भारद्वाज, सेना मेडल
इंजीनियर्स कोर/22 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 10 नवम्बर 2007)

10 नवंबर 2007 को कैप्टन अमित भारद्वाज गिरफ्तारी संबंधी एक दल पर नजर रखे हुए थे तथा एक क्षेत्र विशेष में आतंकवादी गतिविधि की उपस्थिति के बारे में अपने सूत्र से विशिष्ट सूचना प्राप्त की । अपने दल के साथ वे शीघ्रता से आगे बढ़े तथा क्षेत्र को घेर लिया । घेराबंदी को और अधिक मजबूती प्रदान की गई । 1030 बजे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की तथा घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया । भारी गोलीबारी के बावजूद, इस अफसर ने विलक्षण रणनीतिक कुशाग्रता का प्रदर्शन किया, रेंगकर आगे बढ़े तथा मोर्चा संभालते हुए आतंकवादी से भिड़ गए तथा बिल्कुल नजदीक से गोली मार दी । दूसरे आतंकवादी ने हथगोला फेंका तथा दूसरी दिशा में भाग निकलने का प्रयास किया । आतंकवादी बच निकलता उससे पहले ही उसे इस अफसर द्वारा ढेर कर दिया गया । मारे गए आतंकवादियों की बाद में एक आतंकवादी संगठन के डिविजनल कमांडर तथा उसके साथी के रूप में पहचान हुई ।

कैप्टन अमित भारद्वाज ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अदम्य साहस तथा विलक्षण नेतृत्व का प्रदर्शन किया ।

11. जी/5003882 राइफलमैन सागोंगदीमई बिसोंग थंगल
15 असम राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 24 नवंबर 2007)

राइफलमैन सागोंगदीमई बिसोंग थंगल उस हिट टीम में शामिल थे जिसने उस झोंपड़ी पर आकस्मिक घेरा डाला था जिसमें चार आतंकवादियों ने पनाह ले रखी थी । सैनिकों का गांव के बच्चों को पता चल गया जिन्होंने खबर कर दी । आतंकवादी सावधान हो गए तथा मानव कवच के रूप में बच्चों का इस्तेमाल करके भागने का प्रयास करने लगे तथा आक्रमणकारी सैनिकों पर भारी स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करते रहे तथा हथगोले फेंकते रहे ।

बच्चों तथा अपने साथियों के प्राण खतरे को भांपते हुए, राइफलमैन थंगल गोलीबारी के बीच बेकिल चलकर आतंकवादियों के बचाव के रास्ते में आ खड़े हो गए । उन्होंने नजदीक से भीषण गोलीबारी में दो आतंकवादियों का सफाया कर दिया । अपना साथी गोलाबारूद खत्म होने पर उन्होंने दूसरे आतंकवादी को घेराबंदी तोड़ते देखा । वह तुरंत उस आतंकवादी पर टूट पड़े तथा अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी का हथियार छीन लिया तथा भारी लड़ाई के बाद उसको सफाया कर दिया । तीन एके राइफल, यांत्रिक ग्रेनेड लांचर, परिष्कृत संचार उपकरण, डिजिटल फोटोग्राफिक कैमरा तथा अन्य युद्ध सामग्री भी बरामद की गई ।

राइफलमैन सागोंगदीमई बिसोंग थंगल ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अपने जीवन के प्रति गंभीर खतरे के बावजूद असाधारण वीरता, सौहार्दभाव तथा अदम्य साहस का प्रदर्शन किया ।

12. **आईसी-57157 मेजर सुंदर बिष्ट**
आसूचना कोर/4 कोर इंट एवं फील्ड सुरक्षा कंपनी

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 09 जनवरी 2008)

15 नवंबर 2007 को 1600 बजे मेजर सुंदर बिष्ट को अल्फा के अंदर स्थापित महिला स्रोत द्वारा तिनसुकिया जिला असम के योधा रिजर्व वन में एक स्वयंभू सार्जेंट आतंकवादी से उसके मिलने की योजना के बारे में सूचित किया गया था । तदनुसार, अफसर ने अपने साथी के साथ 1700 बजे स्थानीय मजदूरों का भेष धारण करके आतंकवादियों के साथ महिला के संपर्क साधने तक दूर से पीछा किया । अदिग साहस का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने अकेले ही आतंकवादियों के निकट आने का प्रयास किया । उक्त आतंकवादी ने उन पर हथगोला फेंका जबकि अन्यों ने उन पर गोलीबारी कर दी तथा बचने का प्रयास किया । तथापि, यह अफसर आतंकवादी नेता पर झपट पड़े तथा गुत्थम-गुत्था की लड़ाई में उसे गोली से उड़ा दिया ।

09 जनवरी 2008 को 1900 बजे तिनसुकिया जिले के एक गांव में एक आतंकवादी समूह के स्वयंभू कारपोरल के उपस्थित होने के बारे में आसूचना मिलने पर वे अपने साथी के संग व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना मोटरसाईकिल पर आतंकवादी प्रभावित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े तथा आतंकवादी के छिपने के ठिकाने पर पहुंचे । तत्पश्चात, उन्होंने योधी सैनिकों को बुलाया तथा स्वयं नेतृत्व प्रदान करते हुए मोर्चा संभाला तथा आतंकवादी को गोली से उड़ा दिया ।

मेजर सुंदर बिष्ट ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अदम्य साहस, व्यवसायिकता तथा असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया ।

13. **15483066 सवार यादव अरबेशंकर राजधारी**
कवचित रेजिमेंट/8 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 जनवरी 2008)

14 जनवरी 2008 को 1500 बजे उत्तरी सेक्टर के जनरल एरिया में तलाशी तथा विनाश मिशन के संचालन के दौरान सैनिक दस्ते पर कारगर गोलीबारी हो गई । एक आतंकवादी का पता लगने पर सैन्य दस्ता कमांडर तथा सवार यादव अरबेशंकर राजधारी मैदान का कारगर इस्तेमाल करके आगे बढ़े । अदम्य साहस तथा रणनीतिक कुशाग्रता का प्रदर्शन करते हुए सवार यादव ने आतंकवादी को कारगर ढंग से दबोच लिया तथा उसे घायल कर दिया । दूसरा आतंकवादी नाले में भाग गया तथा रुक-रुक कर अपने कंधे से गोलीबारी करता रहा । सवार यादव ने स्थिति की नाजुकता को भांपते हुए शीघ्रता से नाले में छलांग लगा दी । चट्टानों तथा बर्फ के बीच 1500 मीटर तक पीछा करने के पश्चात उन्होंने भाग रहे आतंकवादी को घेर लिया । आतंकवादी ने उन पर दो हथगोले फेंके तथा नजदीक से गोलीबारी करके उनकी दायीं आंख तथा बाएं कंधे को जख्मी कर दिया । गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद आतंकवादी गोलीबारी के समक्ष व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए वे आतंकवादी पर टूट पड़े तथा वीरगति को प्राप्त होने से पहले उसको मार गिराया ।

सवार धादव अवधेशकर ... ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अटल कर्तव्यपरायणता, दृढ़ता, अग्रता तथा अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया।

14. **आईसी-62023 कैप्टन नवजोत सिंह बल**
2 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 21 फरवरी 2008)

21 फरवरी 2008 को उत्तरी कश्मीर के पहाड़ी जंगलों में आतंकवादियों की उपस्थिति की सूचना के आधार पर कैप्टन नवजोत सिंह बल के अधीन एक दल तलाशी तथा विनाश ऑपरेशन के लिए आगे बढ़ा। घनी बर्फ तथा शून्य से नीचे के तापमान में 10 घंटे की दुर्गम चढ़ाई करने के बाद सैनिक लक्षित क्षेत्र पर पहुंचे।

अगली सुबह निगरानी करते समय 0800 बजे कैप्टन बल ने 200 मीटर की दूरी पर एक नाले में दो आतंकवादियों को आते हुए देखा। उन्होंने तुरंत अपने दलों को सचेत कर दिया तथा आतंकवादियों के निकट आने के लिए बर्फ पर रेंगकर आगे बढ़ना शुरू किया। आगे बढ़ते समय अफसर तथा उनके दस्ते का पता चल गया तथा उन पर स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी हो गई। व्यक्तिगत खतरे की परवाह किए बिना यह अफसर अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी पर टूट पड़े तथा बिल्कुल निकट से अग्रणी आतंकवादी को गोली से उड़ा दिया। यह महसूस करते हुए कि अन्य आतंकवादी सुरक्षित स्थिति में है तथा अपने सैनिक अभी भी गंभीर खतरे में हैं, अफसर ने गोलीबारी के बीच आगे बढ़ना जारी रखा तथा बिल्कुल नजदीक से दूसरे आतंकवादी को मार गिराया।

कैप्टन नवजोत सिंह बल ने दो आतंकवादियों का सफाया करने में उच्च कोटि की रणनीतिक कुशाग्रता, दृढ़ता तथा असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया।

15. **15567639 डब्ल्यू सैपर/ऑपरेटर एक्जीक्यूटिव मशीनरी बुद्धु खान**
सीमा सड़क संगठन (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 22 फरवरी 2008)

सैपर ओईएम बुद्धु खान को रखरखाव तथा कार्य हेतु हपोली-सारली-हुरी सड़क पर कि.मी. 203.60 पर डी-80 डोजर पर तैनात किया गया था। 22 फरवरी 2008 को वह दो सहकर्मियों तथा छह मजदूरों के साथ अपने डोजर से सड़क को साफ कर रहा था। इन्होंने अचानक जोर की आवाज सुनी तथा इन्होंने देखा कि एक विशाल चट्टान उनके डोजर की तरफ फिसल कर आ रही है। आसन्न खतरे को भांपते ही उसी क्षण इन्होंने अपने सह-कर्मियों तथा मजदूरों को उस स्थल से हटने के लिए सचेत किया। कीमती सरकारी मशीनरी को खतरे के स्थान से हटाने के लिए इन्होंने अपने डोजर को पीछे कर दिया तथा वे साथ-साथ अपने सह-कर्मियों को सचेत करते रहे तथा 80 लाख रुपए की सरकारी मशीनरी को बचाने का प्रयास करते रहे।

सैपर ऑपरेटर एक्जीक्यूटिव मशीनरी बुद्धु खान ने अपने दल के सदस्यों तथा सरकारी संपत्ति को बचाने के लिए अनुकरणीय साहस तथा कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान किया।

16. **जेसी 420360 नायब सूबेदार रमेश चन्द्र**
मेकेनाइज्ड इन्फैंट्री/26 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 19 मार्च 2008)

19 मार्च 2008 को जम्मू-कश्मीर के एक गांव में चार आतंकवादियों के होने की आसूचना के आधार पर पोस्ट कमांडर नायब सूबेदार रमेश चन्द्र ने आतंकवादियों का सफाया करने की एक चतुर एवं साहसिक योजना बनाई । ज्योंहि उनकी सैन्य टुकड़ी लक्षित घर के निकट आई आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी कर दी । अनुकरणीय साहस तथा प्रशंसनीय युद्ध-कौशल का परिचय देते हुए जे.सी.ओ. अपने साथी के साथ रेंगकर घर की ओर आगे बढ़े तथा हथगोला फेंककर एक आतंकवादी को मार डाला । आतंकवादियों द्वारा उनके साथी के घेरे जाने पर व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना जेसीओ ने घर में छिपे आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए 84 एम.एम.आर.एल. से कारगर गोलीबारी की । कारगर गोलीबारी के कारण दोनों आतंकवादी घर से बाहर निकलकर दोनों पर गोलीबारी करने लगे । धैर्य तथा विश्लेषण युद्धक सतर्कता का परिचय देते हुए उन्होंने निकट से दोनों आतंकवादियों को मार गिराया । लड़ाई के दौरान जे.सी.ओ. ने बांयी हसली पर गोली के घाव होने के बावजूद सुरक्षित स्थान पर ले जाए जाने से इनकार कर दिया तथा अपने साथी की ओर आगे बढ़ रहे एक अन्य आतंकवादी से भिड़ गए तथा उसका सफाया कर दिया।

नायब सूबेदार रमेश चन्द्र ने आतंकवादियों के साथ लड़ाई में असाधारण वीरता, अनुकरणीय नेतृत्व के अडिग साहस का प्रदर्शन किया ।

17. **जीएस-170936पी सुपरिंटेंडेंट बीआर ग्रेड-II महेन्द्र प्रताप सिंह**
सीमा सड़क संगठन (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 12 अप्रैल 2008)

जारंज-देलाराम सड़क की देलाराम से मिनार तक फैली सड़क अत्यधिक तालीबान उग्रवादी प्रभावित क्षेत्र में पड़ती है । तालीबान उग्रवादी सामरिक रूप से महत्वपूर्ण राजमार्ग के निर्माण में बाधा/रोक पहुंचाने के लिए सड़क कार्य के लिए तैनात कार्मिकों पर अकसर आक्रमण करते रहते हैं। सीधी धमकी के बावजूद, सुपरिंटेंडेंट महेन्द्र प्रताप सिंह, उप दल के प्रभारी अफसर ने सदैव अग्रिम मोर्चे से नेतृत्व प्रदान किया तथा अपने अधीन तैनात कार्मिकों का मनोबल सदैव उच्च बनाए रखा ।

12 अप्रैल 2008 को 759 बी.आर.टी.एफ., परियोजना जारंज (बी.आर.ओ.) के सुपरिंटेंडेंट महेन्द्र प्रताप सिंह अपने उप दल के साथ अपने रक्षादल सहित कार्यस्थल की ओर बढ़ रहे थे । कि.मी. 59.500 देलाराम-जारंग राजमार्ग पर रक्षादल पर तालीबानी उग्रवादियों ने आत्मघाती बम से आक्रमण कर दिया । आक्रमण में वे और राजगिर सी. गोविंदस्वामी मारे गए तथा 09 अन्य बी.आर.ओ./आई.टी.बी.पी. कार्मिकों को गहरे/हल्के जख्म लगे ।

सुपरिंटेंडेंट बीआर ग्रेड-II महेन्द्र प्रताप सिंह ने तालीबान उग्रवादी प्रभावित क्षेत्र में एक चुनौतीपूर्ण मिशन को पूरा करने में असाधारण बहादुरी, अद्वितीय एवं प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया तथा सर्वोच्च बलिदान दिया ।

18

[illegible] [illegible] पी. गोविन्दास्वामी
[illegible] (मरणोपरांत)

(प्रभावी [illegible] 12 [illegible] 2008)

[illegible] [illegible] उपलब्धि प्रशंसनीय [illegible] महत्वपूर्ण [illegible] पहलुओं के लिए [illegible] आक्रमण करने [illegible] मनोबल ऊंचा [illegible] प्रकट किया।

12 अप्रैल 2008 [illegible] गोविन्दास्वामी 759 [illegible] [illegible] के कार्यकारी सदस्य [illegible] कार्यस्थल [illegible] 59,500 [illegible] 0745 [illegible] आत्मघाती [illegible] से हमला [illegible] इस हमले में [illegible] अपने [illegible] जीवन का बलिदान [illegible]।

[illegible] गोविन्दास्वामी [illegible] रूप से महत्वपूर्ण [illegible] का [illegible] अनुकरणीय [illegible] असाधारण [illegible] का प्रदर्शन किया [illegible] [illegible] सर्वोच्च [illegible]।

बरुण मित्रा
संयुक्त सचिव

अन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर-560231, दिनांक 24 अक्तूबर 2008

सं.ए.एस./एस-25: राष्ट्रपति, निम्नलिखित सदस्यों के साथ अन्तरिक्ष आयोग का पुनर्गठन आगामी आदेश तक करते हैं :

1.	**श्री जी.माधवन नायर** **सचिव, अन्तरिक्ष विभाग**	**अध्यक्ष**
2.	**श्री पृथ्वीराज चव्हाण** **राज्य मंत्री (प्रधान मंत्री कार्यालय)**	**सदस्य**
3.	**श्री एम.के.नारायणन** **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार**	**सदस्य**
4.	**श्री टी.के.ए.नायर** **प्रधान मंत्री के प्रधान सचिव**	**सदस्य**
5.	**श्री के.एम.चन्द्रशेखर** **मंत्रिमंडलीय सचिव**	**सदस्य**
6.	**श्री अशोक चावला** **सचिव, आर्थिक कार्य विभाग**	**सदस्य**
7.	**श्री आर.सी.जोशी** **सदस्य (वित्त), अन्तरिक्ष आयोग**	**सदस्य (वित्त)**
8.	**प्रो.आर.नरसिंहा** **भूतपूर्व निदेशक, एन.आई.ए.एस.**	**सदस्य**
9.	**श्री एन.पंत** **भूतपूर्व उपाध्यक्ष, इसरो**	**सदस्य**
10.	**डॉ.के.राधाकृष्णन** **निदेशक, वी.एस.एस.सी.**	**सदस्य**

एस. वी. रंगनाथ

सचिव, अन्तरिक्ष आयोग

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्तूबर 2008

संकल्प

संख्या 5(1)-बी(पी.डी.)/2008

आम जानकारी के लिए यह घोषित किया जाता है कि वर्ष 2008-2009 के दौरान सामान्य भविष्य निधि तथा उसी प्रकार की अन्य निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर दिए जाने वाले ब्याज की दर 8% (आठ प्रतिशत) प्रतिवर्ष ही रहेगी। यह दर 1.4.2008 से आरम्भ होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान लागू रहेगी। संबंधित निधियां निम्नलिखित हैं:-

1. सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा)।
2. अंशदायी भविष्य निधि (भारत)।
3. अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि।
4. राज्य रेलवे भविष्य निधि।
5. सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवा)।
6. भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि।
7. भारतीय आयुध कारखाना कामगार भविष्य निधि।
8. भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि।
9. रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि।
10. सशस्त्र सेना कार्मिक भविष्य निधि।

2. आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

वि. शिवसुब्रमणियन्
निदेशक (बजट)

इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अक्तूबर 2008

संकल्प

विषय: इस्पात मंत्रालय की इस्पात उपभोक्ता परिषद के गठन के संबंध में।

सं. [illegible]/2004-[illegible] (i) इस्पात मंत्रालय के दिनांक 24.3.2006, 24.8.200[illegible] और 12.9.2008 के समसंख्यक संकल्प के क्रम में इस्पात मंत्रालय के दिनांक 24 मार्च, 2006 के समसंख्यक संकल्प के पैरा 2 के तहत निम्नलिखित व्यक्तियों को इस्पात मंत्रालय की इस्पात उपभोक्ता परिषद में उनके नाम के सामने दर्शाए गए राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य के रूप में एतद्द्वारा शामिल किया जाता है:

क्रम संख्या (1)	नामित सदस्यों का नाम तथा पता (2)	राज्य का नाम (3)
1	श्री [illegible] पुत्र श्री [illegible] [illegible] कुर्ला, [illegible] मुंबई-40001[illegible]	महाराष्ट्र
2	श्री अनिल [illegible] पुत्र श्री [illegible] [illegible] 14, गुड़गांव (हरियाणा)	हरियाणा

आदेश

आदेश है कि प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद सचिवालय, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और इस्पात उपभोक्ता परिषद के सभी सदस्यों सहित सभी राज्य सरकारें, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को उपर्युक्त संकल्प की एक प्रति संप्रेषित की जाए।

2. यह भी आदेश है कि आम जानकारी के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

उदय प्रताप सिंह
संयुक्त सचिव

संकल्प

विषय: इस्पात मंत्रालय की इस्पात उपभोक्ता परिषद के गठन के संबंध में।

सं. 5(3)/2004-डी-I (.) इस्पात मंत्रालय के दिनांक 24.3.2006, 24.8.2007 और 12.9.2008 के समसंख्यक संकल्प के क्रम में इस्पात मंत्रालय के दिनांक 24 मार्च, 2006 के समसंख्यक संकल्प के पैरा 7 के तहत नीचे कॉलम (4) में दर्शाए गए सदस्यों के स्थान पर निम्नलिखित व्यक्तियों को इस्पात मंत्रालय की इस्पात उपभोक्ता परिषद में उनके नाम के सामने दर्शाए गए राज्यों का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य के रूप में एतद्द्वारा नामित किया जाता है:

क्रम संख्या	नामित सदस्यों का नाम तथा पता	राज्य का नाम	उन सदस्यों का नाम तथा पता जिनकी सदस्यता समाप्त की गई है
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री आलोक पांडेय, पुत्र डा. शरद पांडेय, निवासी तेज कॉटेज, हाउस नं. 604, प्लॉट नं. 9,10, रीचिली हिल्स, तुंगरली, लोनावाला, महाराष्ट्र-410401	महाराष्ट्र	श्री संजय उमरावसिंह अग्रवाल, ए/1, ग्राउंड फ्लोर, चेतक कोऑपरेटिव सोसायटी, खडकी रेलवे स्टेशन, पुणे - 411003 महाराष्ट्र।
2.	श्री रमेश भंडारी, निवासी फ्लैट नं. 209, कीर्ति सुदर्शन अपार्टमेंट, वैस्ट मैरिडपल्ली, सिकंदराबाद, आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश	श्री शाह हमीद साबरी, पुत्र श्री सरूयद शाह मज्हर हुस्सा, निवासी 22-1-922/डी, अज़ीज़ बाग, नूर खान बाजार, चादरघाट, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश।

आदेश

आदेश है कि प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसद सचिवालय, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक और इस्पात उपभोक्ता परिषद के सभी सदस्यों सहित सभी राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को उपर्युक्त संकल्प की एक प्रति संप्रेषित की जाए।

2. यह भी आदेश है कि आम जानकारी के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

उदय प्रताप सिंह
संयुक्त सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 2008

संकल्प

सं॰ 20-62/2007-पीपी-I—भारत सरकार ने वर्ष 1966 में हैदराबाद में राष्ट्रीय पौध संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान (एनपीपीटीआई) नामक एक संस्थान की स्थापना की थी जिसका मुख्य उद्देश्य पौध संरक्षण प्रौद्योगिकी में मानव संसाधन विकास के लिए प्रशिक्षण देना है। यह संस्थान कृषि एवं सहकारिता विभाग के एक संबद्ध कार्यालय पौध संरक्षण संगरोध और भण्डारण निदेशालय, फरीदाबाद के अन्तर्गत कार्य करता आ रहा है।

2. अब भारत सरकार द्वारा यह निर्णय किया गया है कि इस संस्थान को वर्ष 2001 के आंध्र प्रदेश सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन अधिनियम की सं॰ 35 के अन्तर्गत पंजीकृत राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएम), हैदराबाद के नाम से और उसी के तरीके से एक स्वायत्तशासी संस्था के माध्यम से संचालित किया जाए। राष्ट्रीय पौध संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान के सभी कार्य राष्ट्रीय पौध स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद द्वारा ले लिए जाएंगे और राष्ट्रीय पौध संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान इनके रजिस्ट्रीकरण की तिथि से पौध संरक्षण संगरोध और भण्डारण निदेशालय के भाग के रूप में कार्य करना बंद कर देगा।

पंकज कुमार
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2008

No. 99-Pres 2008 — The President is pleased to approve the award of the "Bar to Sena Medal — Army Medal" to Captain Kuldeep Singh (IC-635..) Sena Medal, Dogra Regiment 62 Rashtriya Rifles for the acts of exceptional courage.

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 100-Pres 2008 — The President is pleased to approve the award of the "Sena Medal (Army Medal)" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage :—

1. IC-51853 Lieutenant Colonel Kalliad Thazhathuveethil Gopala Krishnan, Mahar Regiment 30 Rashtriya Rifles
2. IC-54442 Major Eshan Dalal, Grenadiers/29 Rashtriya Rifles
3. IC-56327 Major Sangram Singh Rathore, Army Service Corps/55 Rashtriya Rifles
4. IC-56333 Major Ajay Kumar, 4 Sikh Light Infantry
5. IC-56350 Major Bal Bahadur Pun, 2/8 Gorkha Rifles
6. IC-57611 Major Avneet Singh Kanoon, 6 Rajput Regiment
7. IC-58623 Major Vijay Sati, Armoured Regiment/24 Assam Rifles
8. IC-59138 Major Animesh Jaman, Rajputana Rifles
9. IC-59470 Major Manoj Arupatay ... dhen, 4 Sikh Light Infantry
10. IC-59684 Major Sudip Majee, 14 Bihar Regiment
11. IC-60492 Major Sukhdev Singh ...dyal, Army Air Defence/34 Assam Rifles
12. IC-60780 Major Tarun Sharma, Brigade of the Guards/46 Rashtriya Rifles
13. IC-60984 Major Navdeep ...ewal, Mechanised Infantry/26 Rashtriya Rifles
14. IC-61... Major Varinder Singh, Regiment of Artillery/22 Rashtriya Rifles (Posthumous)
15. IC-62... Major Vipin Kumar Singh, Grenadiers/55 Rashtriya Rifles
16. IC-649.. Major Sumeet Sharma, Regiment of Artillery/72 Field Regiment
17. IC-6515.. Major Rahul Badola, Army Air Defence/58 Rashtriya Rifles
18. IC-65357 Major Vijayant Chauhan, Army Service Corps/57 Rashtriya Rifles
19. SS-40391 Major Prashant Rai, 11 Gorkha Rifles/44 Assam Rifles
20. IC-621.. Captain Manish Sharma, 2 Parachute Regiment (Special Forces)
21. IC-626.. Captain Vivek Kootupirambil Gopalakrishnan, Rajputana Rifles/57 Rashtriya Rifles
22. IC-63531 Captain Chetan Vijay Dhawad, Corps of Engineers/18 Assam Rifles
23. IC-6354.. Captain Saurabh Singh, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles
24. IC-6385.. Captain Karan Sagar, 21 Jat Regiment
25. IC-64123 Captain Siddheswar Prasad Dwivedi, Regiment of Artillery/172 Field Regiment
26. IC-6461.. Captain Vikalp Sharma, Regiment of Artillery/17 Parachute Field Regiment
27. IC-6474.. Captain Amit Kadian, Corps of Engineers/35 Rashtriya Rifles
28. IC-6554.. Captain Longjam Jimkelly Meetei, Mahar Regiment/7 Assam Rifles
29. IC-6696.. Captain Kamal Jeet Singh, 8 Sikh Regiment
30. IC-678.. Captain Sapkal Vinayak Ramachandra, 11 Sikh Light Infantry
31. IC-678.. Lieutenant Pariksht Sharma, 3/11 Gorkha Rifles
32. IC-6935.. Lieutenant Hrishikesh Sanjay Puranik, Electrical and Mechanical Engineering/11 Brigade of the Guards

33. SS-41865 Lieutenant Manvinder Bali, Army Service Corps/8 Sikh Regiment

34. SS-41936 Lieutenant Vikram Vijay, 11 Brigade of the Guards

35. SC-00494 Lieutenant Ram Gopal Singh, Army Service Corps/6 Grenadiers

36. JC-539664 Subedar Mukesh Kumar, Kumaon Regiment/50 Rashtriya Rifles (Posthumous)

37. JC-520316 Naib Subedar Netar Singh, 17 Dogra Regiment

38. 2681308 Havildar Mehboob Khan, 14 Grenadiers

39. 2889992 Havildar Om Singh Shekhawat, Rajputana Rifles/57 Rashtriya Rifles

40. 2988583 Havildar Nahar Singh, 24 Rajput Regiment

41. 2993593 Havildar Shri Krishan Sharma, 16 Rajput Regiment

42. 3185119 Havildar Nem Singh, 6 Jat Regiment

43. 4069080 Havildar Narender Singh, 7 Garhwal Rifles

44. 4471878 Havildar Swaran Singh, 11 Sikh Light Infantry

45. 5753143 Havildar Anup Gurung, 2/8 Gorkha Rifles

46. 4269956 Lance Havildar Jagdish Kumar, 14 Bihar Regiment

47. 2689335 Naik Onkar Singh, 14 Grenadiers

48. 2889129 Naik Girijesh Kumar, 9 Rajputana Rifles (Posthumous)

49. 4074539 Naik Basudev Singh, 7 Garhwal Rifles

50. 4274761 Naik Bandi Bhagat, Bihar Regiment/ 24 Rashtriya Rifles (Posthumous)

51. 9421022 Naik Padam Bahadur Rai, 7/11 Gorkha Rifles

52. 13621009 Naik Tejpal Singh Shekhawat, 10 Parachute Regiment (Special Forces)

53. 13622134 Naik Mane Sanjay Ananda, 2 Parachute Regiment (Special Forces)

54. 13697733 Naik Junat Ali, Brigade of the Guards/61 Rashtriya Rifles

55. 13698305 Naik Pawan Kumar, Brigade of the Guards/61 Rashtriya Rifles

56. 14806143 Naik Sher Singh, 519 Army Service Corps Battalion

57. 2690219 Lance Naik Rajinder Singh, Grenadiers/39 Rashtriya Rifles

58. 2690654 Lance Naik Anjan Kumar, Grenadiers/39 Rashtriya Rifles

59. 2999868 Lance Naik Sunil Kumar, Rajput Regiment/44 Rashtriya Rifles

60. 3995152 Lance Naik Kuldeep Singh, Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles

61. 4087082 Lance Naik Harshvardhan, 7 Garhwal Rifles

62. 4192197 Lance Naik Dinesh Singh, 19 Kumaon Regiment

63. 9103431 Lance Naik Sajad Ahmed Wani, Jammu and Kashmir Light Infantry/62 Rashtriya Rifles

64. 2495191 Sepoy Baljinder Singh, Punjab Regiment/37 Rashtriya Rifles

65. 2806742 Sepoy Kore Pravinkumar Sudam, 9 Maratha Light Infantry (Posthumous)

66. 2998482 Sepoy Bhupendra Singh, 6 Rajput Regiment

67. 3196554 Sepoy Shiv Pal Singh, 16 Jat Regiment

68. 4274292 Sepoy Manoj Kumar Ray, Bihar Regiment/47 Rashtriya Rifles (Posthumous)

69. 4368537 Sepoy Buddhasen Deb Barma, 12 Assam Regiment

70. 12944267 Sepoy Noor Hussain, 159 Infantry Battalion (TA) (H&H) Dogra/11 Rashtriya Rifles

71. 12984439 Sepoy Muzafer Ahmad Bhat, Sikh Light Infantry/55 Rashtriya Rifles (Posthumous)

72. 9102870 Rifleman Abdul Razak Lone, 3 Jammu and Kashmir Light Infantry

73. 9106528 Rifleman Mohd Yaseen Magrao, Jammu and Kashmir Light Infantry 44 Rashtriya Rifles

74. 12964240 Rifleman Syed Zahoor Ahmad, 161 Infantry Battalion (TA) (H&H) Jak Li 30 Rashtriya Rifles

75. 12964608 Rifleman Manzoor Ahmad Mathanji, 161 Infantry Battalion (TA) (H&H) Jak Li 30 Rashtriya Rifles

76. 13764823 Rifleman Roshan Lal, 9 Jammu and Kashmir Rifles

77. 13766099 Rifleman Ashwani Kumar, 7 Jammu and Kashmir Rifles

78. 13767947 Rifleman Harinder Singh, Jammu and Kashmir Rifles/52 Rashtriya Rifles

79. G/3201094 Rifleman Poora Ram Jatee, 32 Assam Rifles

80. G/5003869 Rifleman K. Thongmin Frank Khongsai, 34 Assam Rifles

81. G/5006894 Rifleman L. Joyson, 15 Assam Rifles

82. 15617069 Guardsman Sandeep Yadav, Brigade of the Guards/21 Rashtriya Rifles (Posthumous)

83. 15617486 Guardsman Bhaben Konch, 11 Brigade of the Guards

84. 2693120 Grenadier Manoj Kumar Singh, Grenadiers/29 Rashtriya Rifles (Posthumous)

85. 2695045 Grenadier Hukam Singh Meena, Grenadiers/29 Rashtriya Rifles (Posthumous)

86. 2699003 Grenadier Mahipal Singh Rajput, Grenadiers/12 Rashtriya Rifles

87. 15478195 Sowar Murukan PV, Armoured Regiment/14 Rashtriya Rifles

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 101-Pres/2008—The President is pleased to approve the award of the "Nao Sena Medal/Navy Medal" to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage :—

1. Commander Paramvir Singh Sidhu, (03974-F)

2. Lieutenant Commander Rajeev Kumar Bali, (05013-T)

3. Lieutenant Commander Shwet Gupta, (42139-W), (Posthumous)

4. Deepak Shivram, Sea 1, (211953-N), (Posthumous)

5. F Charles R Kumar, Mechera II, (193532-Y)

6. Pankaj Kumar, LME, (124525-N)

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 102-Pres/2008—The President is pleased to approve the award of the "Vayu Sena Medal/Air Force Medal" to Wing Commander Harvinder Sandhu (20447) Flying (Pilot) for the acts of exceptional courage.

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 103-Pres/2008—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the undermentioned officers/personnel for "Mention in Despatches" received by the Raksha Mantri from the "Chief of the Army Staff" :-

OP RAKSHAK

1. IC-46609 Lieutenant Colonel Sundaresan R, Rajput Regiment/10 Rashtriya Rifles

2. IC-54036 Major Sumeet Malhan, Sena Medal, Corps of Engineers/44 Rashtriya Rifles

3. IC-56444 Major Vikram Rajebhosale, Mechanised Infantry/26 Rashtriya Rifles

4. IC-56620 Major Maninder Pal Singh, Sikh Regiment/16 Rashtriya Rifles

5. IC-58267 Major Himanshu Bhatnagar, Regiment of Artillery/62 Rashtriya Rifles

6. IC-61551 Major Earth Kukrety, Armoured Regiment/8 Rashtriya Rifles

7. IC-62525 Major Dalbir Singh Rawat, Armoured Regiment/8 Rashtriya Rifles

8. IC-62659 Major Sunil Kumar, Army Air Defence/10 Rashtriya Rifles

9. IC-63077 Major Amit Kumar Sihag, 24 Rajput Regiment

10. IC-64906 Major Harshvir Singh, Parachute Regiment/26 Rashtriya Rifles

11. IC-61622 Captain Harsh Vardhan Sharma, Regiment of Artillery/11 Rashtriya Rifles

12. IC-61804 Captain Piyush Yadav, Corps of Intelligence/15 CIS Unit

13. IC-63676 Captain Abhishek Singh Maurya, Corps of Signals/11 Rashtriya Rifles

14. IC-64677 Captain Shashank Sharad Joshi, Corps of Signals/62 Rashtriya Rifles

15. JC-240354 Subedar Vishwanath Rao Pawar, Armoured Regiment/55 Rashtriya Rifles

16. JC-429306 Subedar Sher Singh, Punjab Regiment/22 Rashtriya Rifles

17. JC-429694 Subedar Rabinder Singh, Punjab Regiment/37 Rashtriya Rifles

18. 2481347 Havildar Gurmail Singh, Punjab Regiment/22 Rashtriya Rifles

19. 2986704 Havildar Rakesh Singh Tomar, Rajput Regiment/10 Rashtriya Rifles

20. 9088858 Havildar Madan Gopal, 8 Jammu and Kashmir Light Infantry

21. 9094429 Havildar Chuni Lal, Jammu and Kashmir Light Infantry/55 Rashtriya Rifles (Posthumous)

22. 9418974 Havildar Haidip Rai, Shurya Chakra, 3/11 Gorkha Rifles

23. 15107648 Havildar Thaneswar Brahma, Regiment of Artillery/62 Rashtriya Rifles

24. 1084079 Dafedar Chanchal Singh, Armoured Regiment/4 Rashtriya Rifles

25. 2790606 Lance Havildar Keskar Pandurang Mahadeo, 9 Maratha Light Infantry

26. 2792293 Naik Ramanna R B, 9 Maratha Light Infantry

27. 2889868 Naik Jawahar Singh, 9 Rajputana Rifles (Posthumous)

28. 5453280 Naik Kesh Bahadur Ghale, 5 Gorkha Rifles (Frontier Force)/33 Rashtriya Rifles

29. 3398840 Lance Naik Sukhpal Singh, Sikh Regiment/16 Rashtriya Rifles

30. 12944663 Lance Naik Nisar Ahmed, 159 Infantry Battalion (TA) (H&H) Dogra/10 Rashtriya Rifles

31. 2492330 Sepoy Manpreet Singh, Punjab Regiment/22 Rashtriya Rifles

32. 3000738 Sepoy Bobindra, Rajput Regiment/23 Rashtriya Rifles

33. 4005815 Sepoy Suneel Kumar Sharma, 17 Dogra Regiment

34. 9106517 Rifleman Mohammad Mushtaq Mir, Jammu and Kashmir Light Infantry/1 Rashtriya Rifles

35. 16012294 Rifleman Ashok Kumar, 9 Rajputana Rifles (Posthumous)

36. 15323810 Sapper Suresh Kumar Reddy Vallela, Corps of Engineers/1 Rashtriya Rifles

37. 15330548 Sapper Vijeesh Perunthileri, Corps of Engineers/1 Rashtriya Rifles

38. 14444199 Gunner Amit Kumar, Regiment of Artillery/32 Rashtriya Rifles

39. 15775928 Gunner Udai Bhan, Army Air Defence/58 Rashtriya Rifles

OP HIFAZAT

40. IC-68420 Major Karthik Chandran, Electrical and Mechanical Engineers, 5 Sikh Regiment

41. 3399679 Lance Naik Jagraj Singh, 5 Sikh Regiment

42. 3408083 Sepoy Pardeep Singh, 5 Sikh Regiment

PROJECT ZARANJ, AFGHANISTAN

43. 95012025 Inspector Manoj Kumar Singh, GREF, HQ(P) Zaranj, Afghanistan (Posthumous)

44. GS-170936 Superintendent Mahendra Pratap Singh, GREF, 759 BRTF (Posthumous)

45. 15567639 Sapper Budhu Khan, Corps of Engineers, 57 RCC (Posthumous)

46. GS-166047 Mason C. Govindaswamy, GREF, 759 BRTF (Posthumous)

47. 897040148 C I Desha Singh, GREF, 23 BRTF (Posthumous)

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 114-Pres.2008 - The President is pleased to approve the award of the **"Ashoka Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of most conspicuous gallantry:-

1. SHRI R.P. DIENGDOH, MEGHALAYA POLICE (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 07 November 2007)

On 6th November 2007, information was received that about ten cadres of two banned militant outfits, armed with AK 47 and AK 56 rifles and a huge quantity of explosives had set up a camp deep in the jungles of Meghalaya bordering Assam.

Shri R.P. Diengdoh volunteered to lead the search and destroy operations against the militants. The police party reached the site on 7th November, 2007 just before dawn and charged into the camp to flush out the militants. The militants however, opened heavy fire on the assault team. Shri Diengdoh boldly returned the fire and shot dead one militant. However, he was hit by a bullet just below his left shoulder. Unmindful of the grave injury, the officer displaying gallantry of the most exceptional order continued to lead the team and managed to capture two dreaded militants. The remaining militants then attempted to flee the camp under cover of heavy firing. Despite bleeding profusely, Shri Diengdoh refused to be evacuated and in a daring act chased the militants in order to capture them. He, however, later succumbed to his injuries.

Shri R.P. Diengdoh displayed exemplary dedication to duty and pre-eminent valour in making the supreme sacrifice while fighting the militants.

2. ASSTT. COMMANDANT SHRI PRAMOD KUMAR SATAPATHY TRAINING-IN-CHARGE OF THE SPECIAL OPERATION GROUP, ORISSA STATE ARMED POLICE (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 16 February 2008)

On 15th February 2008 at 10.30 PM more than 500 heavily armed naxalites carried out simultaneous attacks on Police at various locations in and around Bhubaneshwar looting more than 1200 weapons and killing 14 police personnel. After carrying out the operation, about 300 of these naxalites retreated to the outlying jungles of Ganjam and Phulbani districts.

Asstt. Commandant Shri Pramod Kumar Satapathy of the Special Operation Group at Chandaka rushed to Nayagarh along with 20 available men. He quickly made out a plan and penetrated into the jungle alongwith his team. The naxalites had taken their position on an elevated location inside the jungle. On reaching the target area, Shri Satapathy mounted an assault on the naxalites. The naxalites retaliated with heavy fire on the police team and a fierce encounter lasting for about two hours ensued. Shri Satapathy led the operations with exemplary courage before making the supreme sacrifice. A large quantity of arms and ammunitions was recovered from the site.

Shri Pramod Kumar Satapathy displayed highest degree of bravery and dedication to duty in the fight against naxalites.

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 105-Pres/2008 The President is pleased to approve the award of the **"Kirti Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of conspicuous gallantry:-

1. **SC-00134 MAJOR SUSHIL KUMAR SINGH**
BIHAR REGIMENT / 63 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 13 September 2007)

Based on intelligence received regarding likely visit of four hardcore terrorists in a general area of J&K, a column under Maj Sushil Kumar Singh was launched on 11 Sep 07, and deployed itself in sub teams in the target area for nearly 48 hours under inclement weather conditions maintaining complete secrecy. At about 1900 hours on 13 Sep 2007, the officer observed terrorists gradually congregating at a Dhok. He immediately re-organised his sub teams cutting off all escape routes. The terrorists finding themselves besieged started firing indiscriminately, and fire fight ensued. The officer, exhibiting combat intellect, directed his buddy to provide him covering fire while he, with total disregard to personal safety, closed-in and shot dead two dreaded terrorists on the spot. In the meantime another two terrorists tried to escape using thick foliage. The officer, with utmost bravery, chased the fleeing terrorists and eliminated both the terrorists in the process.

Major Sushil Kumar Singh displayed daring leadership and indomitable courage in the fight against terrorists.

2. **IC-65167 MAJOR NUNGLEPPAM BUDDHIMANTA SINGH**
SENA MEDAL, RAJPUT REGIMENT / 32 ASSAM RIFLES

(Effective date of the award: 3 October 2007)

In a politically and socially hyper sensitive environment, Major Nungleppam Buddhimanta Singh created a vibrant intelligence network in Manipur and after meticulous planning relentlessly led his Company in

eliminating 10 hardcore terrorists with no injury to own troops, without Human Rights Violation and collateral damage.

Launching successive operations, the officer notwithstanding personal safety and leading from the front, charged towards two hardcore terrorists of outlawed group and in a fierce encounter killed them on 01 July 2007. With unwavering aim, he on 18 and 28 August 2007, under indiscriminate hostile fire, personally killed two hardcore terrorists of the most notorious and dreaded terrorist groups. On 03 October 2007, unmindful of his personal security and in a dare devil operation, he chased fleeing terrorists and after a fierce gunfight and grenade throwing, the officer closed in and personally shot down two hardcore terrorists, recovering sophisticated weapons and warlike stores.

Major Nungleppam Buddhimanta Singh, SM displayed daring leadership and conspicuous gallantry in fighting the terrorists.

3. **SC-00137 MAJOR RAJINDER KUMAR SHARMA GRENADIER / 32 ASSAM RIFLES**

(Effective date of the award: 06 October 2007)

Major Rajinder Kumar Sharma, with meticulous planning and in series of continuous and surgically precise operations, has persistently led his Company from the front.

On 04 September 2007, in a fiercely fought encounter, the escaping terrorists were given a hot chase and inspite of heavy firing and grenade throwing, the officer personally shot dead three hardcore terrorists, of a dreaded terrorist outfit, recovering two AK Rifles and a pistol.

On 06 October 2007, the officer stood in full face of sustained and effective hostile fire, closed in and charged towards the holed up terrorists. He then personally shot down two top level terrorist leaders.

Major Rajinder Kumar Sharma displayed conspicuous gallantry and raw courage in eliminating hardcore terrorists.

4. IC-64615 CAPTAIN SUNIL KUMAR CHOUDHARY SENA MEDAL, 7-11 GORKHA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 27 January 2008)

Captain Sunil Kumar Choudhary, with his dynamism had established an effective intelligence network. On 27 January 2008, information of presence of terrorists in a village in Tinsukia district (Assam) was received. Captain Choudhary volunteered and set out on the mission with his team and reached the village. When the cordon was in the process of being established, terrorists holed up inside the house in a bid to escape, resorted to indiscriminate firing and fled towards the adjacent jungle.

Captain Choudhary with utter disregard for his personal safety despite being under constant fire chased the fleeing terrorists and in a daredevil action shot dead one terrorist. Thereafter he continued the chase and shot another terrorist and injured him in the leg. In the fire fight Captain Choudhary was grievously injured in the neck. Refusing to be evacuated, he chose not break contact with the terrorists. Having outflanked another fleeing terrorist he suddenly came face to face with a dreaded terrorist of the area. Displaying raw courage and in a classic example of guts and glory, he shot dead the dreadest terrorist from close quarters before succumbing to his injuries.

Captain Sunil Kumar Choudhary, Sena Medal displayed exceptional gallantry, indomitable offensive spirit, and action beyond the call of duty and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

5. IC-50575 LIEUTENANT COLONEL MANISH SHASHIKANT KADAM PUNJAB REGIMENT, 22 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 16 March 2008)

Lieutenant Colonel Manish Shashikant Kadam was Second-in-Command of 22 Rashtriya Rifles located in Jammu and Kashmir.

On 16 March 2008, based on information about the presence of terrorists in a village in Baramulla District, he personally led his troops to cordon the target house. One terrorist realizing that he was trapped, attempted to break the cordon, when the civilians in the target and neighbouring houses were being evacuated. The terrorist caused initial casualities to our troops. Lieutenant Colonel Kadam took control of the situation and to avoid civilian casualities, brought down effective fire on the escaping terrorist and injured him. The officer then followed the blood trail and readjusted the cordon to pin down the terrorist. He tasked his troops to provide covering fire, whilst he personally

closed in to the house where the terrorist had taken shelter and lobbed a grenade through the window. The terrorist attempted to again break the cordon and escape, firing indiscriminately and lobbed two grenades in the direction of the officer. Displaying presence of mind, the officer retaliated and killed the terrorist. However, a stray burst fired by the terrorist resulted in the death of the officer. The terrorist was identified as a Chief Operational in the Kashmir Valley.

Lieutenant Colonel Manish Shashikant Kadam displayed indomitable courage, conspicuous bravery and exhibiting outstanding leadership in fighting the terrorists.

6. **IC-31794 BRIGADIER RAVI DATT MEHTA INTELLIGENCE CORPS/EMBASSY OF INDIA, KABUL (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 7 July 2008)

Brigadier Ravi Datt Mehta, in a short span of five months in the appointment of Defence Attache, Embassy of India in Kabul, Afghanistan, contributed immensely towards enhancing historic and progressive Indo-Afghan relations.

In a declared war torn area infested with terrorism and unmindful of threats to his life, he had relentlessly worked to generate intense cooperation with Afghan Army, security agencies as well as local population, very often by personal visits to dangerous far flung areas. His gallant actions in this sensitive neighbourhood helped in furthering national interests.

Being responsible for the security arrangements, the officer had received inputs on possible suicide attacks by terrorists on the Indian Embassy by employing explosive laden vehicles. Against this backdrop, on his way to the Embassy, as a routine, the officer used to review the security arrangements before commencing his daily duties. On 7 July 2008, it was possibly this routine drill that resulted in the crashing of the explosive laden terrorist's vehicle into his car causing the explosion at the Embassy's gate itself instead of the main building, which would have proved disastrous.

Unmindful of personal safety, while following strict security check drills and acting beyond the call of his duty, he ensured that the grand design of the terrorists to blow up the complete Embassy building did not succeed. In the process while he laid down his life, he averted colossal destruction of lives and assets of the Nation.

Brigadier Ravi Datt Mehta displayed gallantry, selfless service beyond the call of his duties and laid down his life in the highest traditions of the Indian Army.

7. **SHRI V. VENKATESWARA RAO**
COUNSELLOR, EMBASSY OF INDIA, KABUL (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 7 July 2008)

Shri V. Venkateswara Rao joined Embassy of India, Kabul on 05 August 2006. He had volunteered for a posting to Kabul despite being aware of the serious security situation in Afghanistan.

Afghanistan has been going through a difficult period. Violence and terrorism are widely prevalent. Indian diplomats are particular targets in view of India's strong political and economic support for the Government of Afghanistan. In this difficult situation, Shri Rao's contribution to furthering India's Foreign Policy was truly outstanding. Despite having to work under threat to his person, Shri Rao who handled political and information work, never flinched from the call of duty and carried on gallantly with the tasks assigned to him. He displayed remarkable commitment to the job and was tenacious. In the difficult working environment, he applied himself to motivating those working for him. Till the terrorists struck a cruel blow on 07.07.2008, killing him and 4 other Embassy officials, he contributed immensely to the strengthening of Indo-Afghan relations.

Shri V. Venkateswara Rao displayed exceptional courage and remarkable commitment to the job under the most difficult conditions. To furthering the national interests in the face of threats, he made the supreme sacrifice in the line of duty and service to the nation.

8. **900150404 CONSTABLE/GD AJAY SINGH PATHANIA (POSTHUMOUS)**
AND
9. **910140615 CONSTABLE/GD ROOP SINGH (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 7 July 2008)

In the year 2007, Constable Ajay Singh Pathania and Constable Roop Singh were selected for the sensitive and important assignment with the ITBP Contingent at the Embassy of India, Kabul in Afghanistan. They were inducted for this duty on 20.01.2008 and 13.02.2008 respectively.

On 7th July, 2008, Constable Roop Singh was manning the barrier of the Main Gate of the Embassy while Constable Ajay Singh Pathania was on sentry duty at the Main Gate. At 0830 hours, a land rover vehicle carrying the Defence Attache Brig. R.D. Mehta and Counsellor Shri V. Venkateshwara Rao approached the gate. Constable Ajay Singh Pathania spotted a white Toyota Corolla directly behind the land rover. Having served in Afghanistan for some time and being fully aware of such modus-operandi of suicidal attacks, both the Constables foresaw the possibility that the vehicle could be laden with explosives and carrying a suicide bomber. Constable Ajay Singh Pathania became suspicious of the tailing car and shouted at Constable Roop Singh not to lift the anti-bomb hexa-barrier. Constable Roop Singh reacted with alacrity and did not lift the barrier. Within that split of a second, the Toyota Corolla rammed into the land rover resulting in a huge explosion, causing the death of Defence Attache and the senior diplomat. Both Constables Roop Singh and Ajay Singh Pathania were also killed on the spot. Without caring for their lives, they prevented the trailing vehicle from entering the Embassy compound thereby negating the damage intentioned and thwarting, the designs of the militants, besides saving lives of the other Embassy staff.

Constable Ajay Singh Pathania and Constable Roop Singh displayed extreme courage & valour, dedication and devotion to duty, motivation and determination, averted a major disaster inside the India Embassy at Kabul and gave the Supreme Sacrifice protecting the honour and sovereignty of the Nation.

BARUN MITRA
Joint Secy.

No. 106-Pres/2008.—The President is pleased to approve the award of the **"Shaurya Chakra"** to the under mentioned persons for the acts of gallantry:-

1. **13754936 NAIK MOHD SADIQ**
7 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

(Effective date of the award: 05 July 2007)

Naik Mohd Sadiq was the commander of ambush party which cordoned terrorists who had infiltrated across the line of control fence on 05 July 2007. Despite pitch dark conditions, he remained undeterred and brought effective fire of his ambush and repositioned it to prevent their escape. During daytime, despite thick foliage, he identified two terrorists trying to break through the cordon and displaying quick reflexes and precision shooting killed both the terrorists single handedly.

Subsequently, during search, a terrorist suddenly fired at him, at short range. Despite being injured, showing presence of mind and with utter disregard to personal safety, he pounced on the terrorist and pinned down his weapon. The terrorist however took out a pistol with his other hand and again injured Naik Mohd Sadiaq in the leg. However, he continued to pin down the terrorist displaying exceptional standards of bravery, raw courage and dogged determination till the terrorist was killed by his buddy.

Naik Mohd Sadiq displayed presence of mind, grit, courage and determination in elimination of three hardcore terrorists.

2. **IC-58405 MAJOR SUKESH VERMA**
ARMOURED REGIMENT / 4 ASSAM RIFLES

(Effective date of the award: 11 August 2007)

Major Sukesh Verma was commanding Bravo Company in the extremely inhospitable region in Manipur. On 23 June 2007, the officer alongwith his Quick Reaction Team laid a trap along National Highway 39 for a hardcore terrorist. The terrorist ran into the trap but tried to flee by bringing down indiscriminate fire on own troops. Sensing danger to the safety of his men

Major Sukesh Verma fearlessly charged at the terrorist showing utter disregard for his personal safety, and shot him at point blank range. Search of the slain terrorist revealed plans for a transshipment of drugs. The officer further undertook clinical operations and seized the transshipment of Ganja on 25 June 2007, evaluated worth approximately Rupees one Crore.

Further, on 11 August 2007, Major Sukesh Verma carried out another search operation. During search of the suspected area, his column came under heavy volume of fire. Using his tactical acumen, Major Sukesh Verma quickly moved his men to cover and returned fire. Undeterred by the constant heavy fire, he himself rushed forward towards the terrorists and personally killed two dreaded terrorists. The ensuing fire fight resulted in elimination of the third terrorist and recovery of three weapons, ammunition and other war like stores.

Major Sukesh Verma displayed conspicuous bravery and exemplary leadership qualities in fighting the terrorists.

3. **JC-841556 NAIB SUBEDAR KULWANT SINGH DEFENCE SECURITY CORPS / 21 FIELD AMMUNITION DEPOT (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 11 August 2007)

on 11 August 2007, an explosion took place in a Field Ammunition Depot in the Northern Sector. After accident occurred Naib Subedar Kulwant Singh immediately ran towards the accident area and started assisting the fire crew to douse the fire. With every successive explosion, when the heat and smoke was engulfing the area, he continued to evacuate the wounded to a safe area. Unmindful of personal safety he again went inside to evacuate the injured and in the raining splinters and bombshells managed to save two more injured firemen. By now more explosions had taken place and in the face of imminent danger he displayed exceptional courage to once again enter the explosive area to help evacuation of more injured individuals and made supreme sacrifice of his life.

Naib Subedar Kulwant Singh displayed conspicuous bravery and selfless devotion to duty and made the supreme sacrifice in trying to save precious lives.

4. **SQUADRON LEADER PRANAY KUMAR (25603)**
FLYING (PILOT)

(Effective date of the award: 02 September 2007)

On 02 September 2007, Squadron Leader Pranay Kumar was detailed as an additional pilot for a rescue mission. The mission entailed winching up of a citizen stranded in the middle of a gorge of Chambal river affected by flash floods. The prevailing conditions of total darkness were not conducive for operations with unaided vision. The crew took a decision to proceed with the mission on Night Vision Goggles (NVGs) which provided them with better situational awareness.

When the winch cradle was lowered, the survivor could not strap himself to the winch due to extreme fatigue caused by battling the water currents for over six hours. At this juncture, Sqn Ldr Pranay Kumar immediately volunteered to go down to rescue the survivor. Knowing fully well the perils to his own life, he briefed the Flight Gunners on emergency signals and got lowered in the gorge. He guided the crew of the helicopter using hand signals and despite the darkness and strong water current, managed to reach the survivor. On reaching the survivor he realised that the space was insufficient to get down for strapping the survivor to the harness. He instantly took the decision to physically tie the survivor to himself. Having done this while being half immersed in the strong flow of the water, he gripped the survivor and holding onto him tightly, signalled the Flight Gunner to winch them up. Using all the physical strength that he could muster, Sqn Ldr Pranay Kumar successfully held onto the survivor till the end of the rescue operation.

Squadron Leader Pranay Kumar displayed extraordinary courage and valour in adverse circumstances while trying to save the lives of fellow citizens.

5. **CONSTABLE VIJAY HAREL**
BORDER SECURITY FORCE

(Effective date of the award: 09 September 2007)

On 9th September 2007 at 1000 hours, an Air Force MI – 17 helicopter landed at Bandipur helipad. During refueling, suddenly a fire erupted near the fuel tank and the helicopter caught fire. A fire alarm was raised. It alerted the Quick Reaction Team of 51 Bn of BSF, which reacted promptly and rushed towards the spot. Constable Vijay Harel was part of the Quick Reaction Team. The team reacted promptly and started extinguishing the fire. Constable Harel courageously climbed on the burning helicopter and pulled away the fuel pipe and disconnected it from the fuel tank of the helicopter. He also pushed a Sepoy

trapped in fire to safety. The timely and brave action of Shri Harel not only saved the life of a Sepoy but also obviated damage to the helicopter as well as saved the Aviation Turbine Fuel Barrels from exploding which were lying close to the family lines, offices and barracks. A major catastrophe was averted.

Constable Vijay Harel displayed extraordinary valor and high degree of professionalism at great risk to his own life.

6. **IC-65732 CAPTAIN RAHUL SINGH**
GARHWAL RIFLES / 14 RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of the award: 18 September 2007)

On the night of 17 September 2007, Captain Rahul Singh developed specific intelligence about presence of terrorists in a forested area in the Northern Sector. Leading a small team through an unsuspecting and arduous mountainous route, he located the hideout. At approximately 0715 hours, while closing in towards the hideout, terrorists opened indiscriminate fire. Captain Rahul Singh, despite the barrage of fire, displaying nerves of steel and quick reflexes retaliated and shot dead one terrorist. The second terrorist jumped behind a rock, lobbed a grenade and resumed firing at the officer. In the face of terrorist fire, displaying dogged determination the officer moved forward with lightning speed leapfrogging behind boulders, encircled the terrorist and eliminated him. The brave officer then provided close fire support to his team which resulted in elimination of the third terrorist.

Captain Rahul Singh displayed conspicuous gallantry, unparalleled courage under extreme danger, devotion to duty in the highest tradition of Indian Army in fighting the terrorists.

7. **15492544 SOWAR VARINDER KUMAR SHARMA**
ARMOURED REGIMENT / 60 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 25 September 2007)

On 25 September 2007, Sowar Varinder Kumar Sharma was leading scout of a team moving along a steep nallah in thickly wooded general area in Jammu & Kashmir. He noticed suspicious movement at 1515 hours. After cautiously closing in, the individual challenged the suspicious person and drew fire. The individual fired back killing one terrorist on the spot and injuring another. The injured terrorist ran to the jungle and contact broke. After a search lasting two hours the terrorist was spotted in a thicket. Sowar Varinder Kumar Sharma immediately opened fire on the terrorist. Heavy fire fight ensued in which Sowar Varinder Kumar Sharma received burst of fire. With utter

12-321 GI/2008

disregard to his personal safety he repositioned, crawled and threw a grenade thus killing the second terrorist and later succumbed to his injuries.

Sowar Varinder Kumar Sharma displayed exemplary courage and conspicuous gallantry of exceptional order while making the supreme sacrifice in fighting the terrorists.

8. **IC-65235 MAJOR ADITYA KUMAR DEVRANI REGIMENT OF ARTILLERY / 29 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 03 November, 2007)

Major Aditya Kumar Devrani, meticulously cultivated reliable source and maintained surveillance on a specific house in the Northern Sector over a period of four days. On 02 November 2007 at 2200 hours, the surveillance team led by the officer observed movement of two terrorists.

At 0145 hours the terrorists lobbed grenades and fired indiscriminately in a desperate bid to escape. Maj Aditya observed one terrorist moving out of house firing indiscriminately. The officer displaying quick reaction engaged the terrorist killing him on the spot. The second terrorist continued firing and lobbing grenade from the house. Maj Aditya displaying utter disregard to personal safety crawled up to the house lobbing grenades and firing on the terrorist, thereby killing second terrorist.

Major Aditya Kumar Devrani displayed conspicuous gallantry and exemplary leadership in eliminating two terrorists.

9. **2693081 GRENADIER KHILLU RAM MEENA GRENADIERS / 29 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 06 November 2007)

On 06 November 2007 at about 1630 hours information was received about presence of 4-5 terrorists in an area of Jammu & Kashmir. Grenadier Khillu Ram Meena as Number 2 scout of quick reaction team cordoned the suspected house. At about 2100 hours Grenadier Khillu Ram Meena came under heavy automatic fire from terrorists. Grenadier Khillu Ram Meena displaying nerves of steel killed one terrorist. In the fire fight scout number 1, Grenadier Manoj sustained a shot wound. Grenadier Khillu Ram Meena unmindful of personal safety exposed himself to the terrorist fire as he extricated Grenadier Manoj. In the process, Grenadier Khillu Ram Meena was seriously injured. Despite his grievous injuries Grenadier Khillu Ram Meena

continued to engage the terrorists and managed to kill the second terrorist before achieving martyrdom.

Grenadier Khillu Ram Meena displayed indomitable courage, conspicuous bravery and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

10. **IC-65693 CAPTAIN AMIT BHARDWAJ, SENA MEDAL CORPS OF ENGINEERS / 22 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 10 November 2007)

On 10 November 2007, Captain Amit Bhardwaj capitalizing the momentum of apprehensions, obtained hard intelligence from his source about a meeting of terrorist leaders in a specified area. He, along with his team rushed and cordoned the area. Cordon was later beefed up. At 1030 hours, terrorists fired indiscriminately and attempted to break cordon. Despite heavy firing, the officer displaying remarkable tactical acumen, crawled and positioned himself and engaged a terrorist in fire fight, eliminating him at point blank range. Second terrorist lobbed a grenade and attempted escape in the opposite direction. He was neutralized by the officer, before the terrorist could make good his escape. Killed terrorists were later identified as a Divisional Commander of a terrorist outfit and his associate.

Captain Amit Bhardwaj displayed indomitable courage and exhibiting unmatched leadership in fighting the terrorists.

11. **G/5003882 RIFLEMAN SAGONGDYMEI BISHONG THANGAL 15 ASSAM RIFLES**

(Effective date of the award: 24 November 2007)

Rifleman Sagongdymei Bishong Thangal was part of a hit team laying inner cordon around the hut where four terrorists were sheltered. The troops were spotted by village children who raised an alarm. The terrorists panicked and attempted escape using children as human shields, simultaneously bringing down heavy automatic and grenade fire on troops.

Sensing danger to children and own troops, Rifleman Thangal maneuvered under fire putting himself in line of escape of the terrorists. He at close range engaged and neutralised in a fierce fire fight two terrorists. Having expended his entire ammunition, he noticed another terrorist breaking cordon. He immediately charged the terrorist and in an unparalleled act of valor snatched the terrorist's weapon and after a fierce scuffle eliminated him. Three

AK Rifles, assorted ammunition, sophisticated communication equipment, digital photographic equipment and other war like stores were recovered.

Rifleman Sagongdymei Bishong Thangal displayed conspicuous gallantry, comradeship and indomitable courage under grave danger to own life in fighting the terrorists.

12. **IC-57157 MAJOR SUNDER BISHT**
INTELLIGENCE CORPS / 4 CORPS INT & FIELD SECURITY COMPANY

(Effective date of the award: 09 January 2008)

On 15 November 2007 at 1600 hrs, Major Sunder Bisht was informed by planted female source within ULFA regarding her plans to meet terrorist a Self Styled Sergeant, in Pobha Reserve Forest in Tinsukia district (Assam). Accordingly at 1700 hours the officer along with his buddy, impersonating as local labourers followed the source from a distance till she established contact with the terrorists. He displaying raw courage closed in with the terrorists all alone. The said terrorist lobbed grenade at him while others fired at him and tried to escape. However the officer pounced on the terrorist leader and in hand to hand fight shot him dead.

On 09 January 2008 at 1900 hrs on receiving intelligence about presence of Self Styled Corporal of a terrorist group in a village in Tinsukia district, he with his buddy moved to terrorist infested area on motorcycle with total disregard to personal safety and homed on to terrorist hideout. Thereafter he called in combat troops and physically led them from front, into the hideout and shot dead the terrorist.

Major Sunder Bisht displayed raw courage, professionalism and exceptional gallantry in fighting the terrorists.

13. **15483066 SOWAR YADAV ARBESHANKAR RAJDHARI**
ARMOURED REGIMENT / 8 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 14 January 2008)

On 14 January 2008 at 1500 hours, while undertaking search and destroy mission in a general area in the Northern Sector, effective fire was brought on the column. On spotting one of the terrorists the column Commander and Sowar Yadav Arbeshankar Rajdhari, closed in, making effective use of ground. Displaying indomitable courage and tactical acumen, Sowar Yadav effectively pinned down the terrorist injuring him. The second terrorist fled, down a nala

firing intermittently over his shoulder. Sowar Yadav realizing the criticality of the situation jumped down the nala in hot pursuit. After 1500 meters pursuit through boulders and snow he cornered the fleeing terrorist. The terrorist lobbed two grenades and fired at close range hitting him over his right eye and left shoulder. Grievously injured but showing total disregard to personal safety in face of terrorist fire, he charged towards the terrorist and killed him before attaining martyrdom.

Sowar Yadav Arbeshankar Rajdhari displayed unflinching devotion to duty, audacity, tenacity and raw courage and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

14. **IC-62023 CAPTAIN NAVJOT SINGH BAL**
2 PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of the award: 21 February 2008)

On 21 February 08, based on information regarding presence of terrorists in higher reaches in the Northern Sector, a team under Captain Navjot Singh Bal moved for a search and destroy operation. After 10 hours of arduous climb in deep snow and sub zero temperatures the troops reached the target area.

At 0800 hours the next morning while carrying out surveillance, Captain Bal spotted two terrorists moving through a Nala 200 meters away. He immediately alerted his parties and started crawling in the snow to close in with the terrorists. While closing in the officer and his squad were spotted and came under intense automatic fire. Unmindful of personal danger, the officer, in a display of raw courage, charged and shot the leading terrorist at close quarters. Realizing that the other terrorist was in a secure position and his troops were still in grave danger the officer continued moving under fire and shot the second terrorist too at point blank range.

Captain Navjot Singh Bal displayed tactical acumen, audacity and conspicuous bravery of highest order in eliminating two terrorists.

15. **15567639W SAPPER/OPERATOR EXECUTIVE MACHINERY**
BUDHU KHAN
BORDER ROADS ORGANIZATION (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 22 February 2008)

Sapper/OEM Budhu Khan was deployed alongwith D-80 Dozer at Km 203.60 on Hapoli-Sarli-Huri road for formation cutting work. On 22 Feb 2008 he was widening the road with his dozer alongwith two co-workers and six

labour. He suddenly heard a noise and saw a huge slide of boulders coming on his dozer. The moment he felt the imminent danger, he started warning his co-workers and labour to move away from the site. He tried to steer away his dozer from the place of danger to save the costly Govt machinery while he was warning his co-workers and trying to save government machinery worth over Rs.80 lacs.

Sapper/Operator Executive Machinery Budhu Khan displayed exemplary courage and devotion of duty and made the supreme sacrifice while saving his team members and Government property.

16. **JC-420360 NAIB SUBEDAR RAMESH CHANDER MECHANISED INFANTRY / 26 RASHTRIYA RIFLES**

(Effective date of the award: 19 March, 2008)

On 19 March 2008, based on intelligence regarding presence of four terrorists in a village in Jammu & Kashmir, Naib Subedar Ramesh Chander, the post commander, made a meticulous and bold plan to neutralize the terrorists. As his column closed in with the target house, the terrorists opened a heavy volume of fire. Displaying exemplary courage and commendable field craft the JCO crawled along with his buddy towards the house and lobbed hand grenades killing one terrorist. On his buddy being pinned down by terrorists, the JCO, with utter disregard to personal safety, brought down effective 84 mm RL fire to flush out terrorists hiding inside the house. Due to effective fire two terrorists, rushed out of the house firing on the duo. Displaying cool nerves and remarkable combat awareness, he shot dead both terrorists at close range. During the firefight, the JCO, despite having sustained gunshot wound on left collar bone, refused evacuation and accurately engaged another terrorist, who was trying to close in towards his buddy, and eliminated him.

Naib Subedar Ramesh Chander displayed conspicuous bravery, exemplary leadership and raw courage in fighting the terrorists.

17. **GS-170936P SUPDT. BR GRADE-II MAHENDRA PRATAP SINGH BORDER ROADS ORGANIZATION (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award: 12 April 2008)

The road stretch between Delaram to Minar of Zaranj-Delaram road lies in highly infested Taliban militants area. Taliban militants were frequently attacking the personnel deployed for road work to disrupt/stop the construction of the strategically important Highway. In spite of five threats, Supdt Mahendra

Pratap Singh, officiating officer in-charge of Sub Team always led the team from the front and kept the morale of personnel deployed under him high.

On 12 Apr 2008, Supdt Mahendra Pratap Singh of 759 BRTF, Project Zaranj (BRO), was moving in convoy alongwith his Sub Team towards work site. At KM 59.500 of Delaram – Zaranj Highway, while traveling in convoy a suicide bomb attack was done by Taliban militants on the convoy at 0745 hours. In the attack he and Mason C Govindaswamy died and 09 other BRO/ITBP personnel sustained major/minor injuries.

Supdt BR Grade-II Mahendra Pratap Singh displayed conspicuous bravery, extraordinary and inspiring leadership and made the supreme sacrifice in accomplishing a challenging mission in the infested Taliban militants' area.

18. **GS-160047K MASON C. GOVINDASWAMY**
BORDER ROADS ORGANIZATION (POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 12 April 2008)

The road stretch between Delaram to Minar of Zaranj-Delaram road lies in highly infested Taliban militants area. Taliban militants were frequently attacking the personnel deployed for road work to disrupt/stop the construction of the strategically important Highway. In spite of live threats, C Govindaswamy, always stood in front and kept the morale of fellow co-workers high and showed exemplary courage at work site.

On 12 Apr 2008, Mason C.Govindaswamy of 759 BRTF, Project Zaranj (BRO), was moving in convoy alongwith working parties of Road Marking and Berm filling Team towards work site. While traveling in convoy at KM 59.500 of Delaram – Zaranj Road in Afghanistan, a suicide bomb attack was done by Taliban militants on the convoy at 0745 Hrs. In the attack Mason, C Govindaswamy sacrificed his life alongwith fellow Co-worker.

Mason C. Govindaswamy displayed exemplary dauntless courage, indomitable spirit, extraordinary devotion to duty and made the supreme sacrifice for humanity and the nation for the timely completion of strategically important Delaram – Zaranj Highway.

BARUN MITRA
Joint Secy.

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore-560 231, the 24th October 2008

No. AS/S-25 . The President is pleased to reconstitute the Space Commission with the following composition until further orders :-

1.	Shri G. Madhavan Nair Secretary, Department of Space	-	Chairman
2.	Shri Prithviraj Chavan Minister of State (PMO)	-	Member
3.	Shri M K. Narayanan National Security Advisor	-	Member
4.	Shri T.K.A. Nair Principal Secretary to Prime Minister	-	Member
5.	Shri K.M. Chandrasekhar Cabinet Secretary	-	Member
6.	Shri Ashok Chawla Secretary, Department of Economic Affairs	-	Member
7.	Shri R.C. Joshi Member (Finance), Space Commission	-	Member (Finance)
8.	Prof. R. Narasimha Ex-Director, NIAS	-	Member
9.	Shri N. Pant Ex-Deputy Chairman, ISRO	-	Member
10.	Dr. K. Radhakrishnan Director, VSSC	-	Member

S. V. RANGANATH
Secy. to the Space Commission

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

New Delhi, the 30th October 2008

RESOLUTION

NO. 5(1)-B(PD)/2008

It is announced for general information that during the year 2008-2009, accumulations at the credit of subscribers to the General Provident Fund and other similar funds shall continue to carry interest at the rate of 8% (Eight per cent) per annum. This rate will be in force during the financial year beginning on 1.4.2008. The funds concerned are:—

1. The General Provident Fund (Central Services).
2. The Contributory Provident Fund (India).
3. The All India Services Provident Fund.
4. The State Railway Provident Fund.
5. The General Provident Fund (Defence Services).
6. The Indian Ordnance Department Provident Fund.
7. The Indian Ordnance Factories Workmen's Provident Fund.
8. The Indian Naval Dockyard Workmen's Provident Fund.
9. The Defence Services Officers Provident Fund.
10. The Armed Forces Personnel Provident Fund.

2. Ordered that the Resolution be published in Gazette of India.

V. SIVASUBRAMANIAN

Director (Budget)

MINISTRY OF STEEL

New Delhi, the 23rd October 2008

RESOLUTION

Subject: Constitution of Steel Consumers' Council of Ministry of Steel-- regarding.

No.5 (3)/2004-D-I(.) In continuation of Ministry of Steel Resolutions of even number dated 24.03.2006, 24.08.2007 and 12.9.2008, the following persons are hereby nominated as Members to the Steel Consumers' Council of Ministry of Steel to represent the States mentioned against their names under Para. 7 of the Ministry of Steel Resolution of even number dated 24th March, 2006:-

S.N.	Name & address of the nominated member(s)	States
1	Shri Thakur Manoj Singh Son of Shri Raghupati Singh, Resident of Flat No.1002/BA, Kurli, Suryakiran, Kandivalli (E), Mumbai- 400 101	Maharashtra
2	Shri Amit Bansal Son of Shri Ram Kanwar Bansal, Resident of House No. 736, Sector 14, Gurgaon (Haryana)	Haryana

ORDER

Ordered that a copy of the above Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, all the Ministries and the Departments of the Government of India including the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Parliament Secretariat, Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India and all the members of the Steel Consumers' Council.

2. Ordered also that it be published in the Gazette of India for general information

UDAI PRATAP SINGH

Joint Secy.

RESOLUTION

Subject: Constitution of Steel Consumers' Council of Ministry of Steel-- regarding.

No.5 (3)/2004-D-I(.) In continuation of Ministry of Steel Resolutions of even number dated 24.03.2006, 24.08.2007 and 12.9.2008, the following persons are hereby nominated as Members to the Steel Consumers' Council of Ministry of Steel to represent the States mentioned against their names under Para. 7 of the Ministry of Steel Resolution of even number dated 24th March, 2006 *vice* the members mentioned in Column (4) below respectively:-

S.N.	Name & address of the nominated members	State/UT	Name & address of the departing members
(1)	(2)	(3)	(4)
1	Shri Alok Pandey Son of Dr. Sharad Pandey Resident of Taj Cottage, House No.604, Plot No. 9,10, Rechily Hills Tongarli, Lonavala,Maharashtra -410401	Maharashtra	Shri Sanjay Umraosingh Agarwal, A/1, Ground Floor, Chetak Cooperative Society, Opp. Khadki Railway Station, Pune -411003 Maharashtra
2	Shri Ramesh Bandari, Resident of Flat No.209, Keerthi Sudershan Apartments West Marredpally, Secunderabad, Andhra Pradesh	Andhra Pradesh	Shri Shah Hamed Saberi, S/o Shri Syed Shah Mazher Hussai Resident of 22-1-922/D, Aziz Bagh, Noor Khan Bazar, Chaderghatt, Hyderabad, Andhra Pradesh

ORDER

Ordered that a copy of the above Resolution be communicated to all the State Governments, Union Territory Administrations, all the Ministries and the Departments of the Government of India including the Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Parliament Secretariat, Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India and all the members of the Steel Consumers' Council.

2. Ordered also that it be published in the Gazette of India for general information.

UDAI PRATAP SINGH
Joint Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)
New Delhi, the 13th October 2008

RESOLUTION

No. 20-02/2007-PP-I.—The Government of India had established an Institute by the name of the National Plant Protection Training Institute (NPPTI) at Hyderabad in the year 1966, with the main objective of imparting training for human resource development in plant protection technology. This Institute has been functioning under the Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage, Faridabad, an attached office under the Department of Agriculture & Cooperation.

2. It has since been decided by the Government of India that the Institute should be administered through an autonomous Society registered under the Andhra Pradesh Societies Registration Act No. 35 of 2001 under the name and style of National Institute of Plant Health Management (NIPM), Hyderabad. All the functions of National Plant Protection Training Institute shall be taken over by the National Institute of Plant Health Management, Hyderabad and the National Plant Protection Training Institute shall cease to function as part of the Dte. of Plant Protection Quarantine & Storage from the date of its registration.

PANKAJ KUMAR
Joint Secy.